सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivahan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 343, नई दिल्ली | बुधवार, 19 फरवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

कष्ट सहने पर ही हमें अनुभव होता है और दर्द हो, तभी हम सीख पाते हैं

03 भाजपा मुख्यमंत्री का नाम अभी तक तय नहीं कर पाई है या फिर...
06 आस्था, शिष्टाचार और महाकुंभ का
08 सीबीआई ने आईएएस विष्णुपद सेठी के घर पर छापा मारा; सुबह 7 बजे से मैराथन छापेमारी

क्या दिल्ली परिवहन आयुक्त को भाजपा के आला आकाओं का खुला समर्थन प्राप्त है जो वह बेखौफ संसद द्वारा पारित अधिनियमों और अन्तर्गत नियमों को दरकिनार कर अपनी इच्छा के आदेश जारी करते आ रहे हैं?

दिल्ली के व्यवसायिक वाहन मालिकों के लिए आवश्यक सूचना, जागो कही देर ना हो जाए

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली के व्यवसायिक वाहन मालिक हो जाए सचेत नहीं तो पड़ेगा महंगा बहुत महंगा। जी हां **यह सूचना उन सभी वाहन मालिकों के लिए है जिनके वाहनो के दस्तावेज परिवहन आयुक्त द्वारा हठ में जनता के अहित के लिए पारित आदेश के कारण मान्य नहीं हैं।** दिल्ली परिवहन आयुक्त ने अपने बल का दुरुपयोग करते हुए दिल्ली की सड़को पर छोड़े हुए अपने प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो और उनके साथ अनुबंधित अपराधिक गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों एवम्‌ बाउंसरो को दिल्ली की सड़को पर चल रहे समय सीमा समाप्त हो चुके वाहनों को आने वाले 15 दिनों तक नहीं उठाने और उसके स्थान पर दिल्ली की सड़को पर चल रहे अमान्य दस्तावेजों (**बिना फिटनेस, बिना इंश्योरेंस**) वाले वाहनों खास तौर पर गुड्स वाहनों, बसों और ई रिक्शा को उठाने का दिशा निर्देश जारी कर दिया है। आप सभी की जानकारी हेतु एक और मुख्य बात **"परिवहन आयुक्त ने अपने प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो को सड़को से वाहन उठाने के लिए बिना मान्य दस्तावेज की क्रेन प्रयोग करने की छूट दे रखी है" यानी बिना दस्तावेज के वाहनों को सड़को से उठाने के लिए प्रयोग में लाई जा रही क्रेन**

समय सीमा समाप्त और बिना मान्य दस्तावेज है ना दिल्ली परिवहन आयुक्त कानून और नियम को मानने और मनवाने वाला आज परिवहन आयुक्त ने अपने प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से संसद द्वारा पारित अधिनियम और उसके अंतर्गत पारित नियमों को दरकिनार करते हुए आदेश जारी किया है। **आपकी जानकारी हेतु बता दें परिवहन आयुक्त का पदभार संभालते ही**

1. दिल्ली की जनता के हित में राजपत्र अधिसूचना द्वारा चालित परिवहन विभाग की क्षेत्रीय शाखाओं को गैर कानूनी तरीके से बिना राजपत्र अधिसूचना जारी किए हठ पूर्वक अपने बल का दुरुपयोग कर बंद करवा दिया
2. दिल्ली में तकनीकी अधिकारियों के पदों पर बिना सर्विस बुक में रूल (आर.आर) बदले गैर तकनीकी अधिकारियों को ग़ैर कानूनी तरीके से हठ पूर्वक अपने बल का दुरुपयोग करते हुए आसीन कर दिया
3. दिल्ली में वाहनों के जांच प्रमाण पत्र जारी करने वाली बुराड़ी शाखा को हठ पूर्वक अपने बल का दुरुपयोग करते हुए एक निजी कंपनी को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से बंद करने के आदेश जारी कर दिए
4. दिल्ली में संसद द्वारा पारित अधिनियम एवम्‌ उनके अंतर्गत पारित नियमों को हठ पूर्वक अपने बल का दुरुपयोग करते हुए गैर कानूनी तरीके से बदल दिया
5. दिल्ली में संसद द्वारा पारित अधिनियम एवम्‌ उनके अंतर्गत पारित नियमों को दरकिनार कर अपने प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से दरकिनार कर दिया

इसके अतिरिक्त ना जाने कितने ही गैर कानूनी आदेश जारी करते रहे हैं पर फिर भी चुप हैं दिल्ली सरकार, मुख्य सचिव और उपराज्यपाल, **आखिर क्यों?**

दिल्ली परिवहन विभाग के आयुक्त द्वारा जारी किया गया ऑफिस आर्डर, आप भी जाने किस अधिकारी को सौंपा गया क्या कार्य

GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
TRANSPORT DEPARTMENT: ADMINISTRATION BRANCH
5/9 UNDER HILL ROAD, DELHI-110054

F. No. F.8(13)/95/Admn/Tpt/Pt file/8239   Dated : 19/02/2025

OFFICE ORDER

S. No.	Name	Designation	Work/ Branch Assignment
1	Sachin Shinde	MD (DTC) &Special Commissioner (Enf.&PCD)	• Enforcement (including Scrapping) • PCD (including Air Pollution) • Vigilance • MD DTIDC • STA (additional assignment)
2	Vishwendra	Special Commissioner (OPS& CT)	• Operation (including VIU) • Caretaking & Estate Branch • Planning & Finance (additional assignment) • Litigation, including Arbitration matters(additional assignment) • Road Safety • Administration(additional assignment)
3	Aom Dhole Kashinath Rao	Joint Commissioner (EV & MRTS)	• EV Cell (report directly to COT) • MRTS/ RRTS (report directly to COT) • ED DTIDC
4	Piyush Singh Vijaykaran	Joint Commissioner (BT &IT)	• IT (report directly to COT) • Bus Transport(including Last Mile Connectivity/ Route Rationalisation/ IGL & DIMTS matters) (excluding court/arbitration cases) (directly to COT till SCOT(BT) is appointed)
5	Dr. Ashutosh Kumar Srivastava	DD (Plg.& Admn.)	• Planning • Administration (including HOO charge) • Vigilance
6	Sunil Sehgal	Deputy Commissioner (Enf. & PCD)	• Enforcement (including admin. of all Impounding Pits, and auctions therein) • Scrapping Cell • PCD & Air Pollution
7	Kulbhushan Babbar	Deputy Commissioner (Coordination & Caretaking)	• Inter-Divisional Coordination (including Parliament/ Assembly questions) • Caretaking & Estate (addl. assignment) • PGMS, CPGRAMS, LG Listening Post & Grievances Portal (independently) • FAA (DRTI), Transport Department • R&I
8	Sanjay Ailawadi	Deputy Commissioner (OPS)	• Operation (including DTO Zones & DTO(HQ)) • VIU
9	R. Ramanathan	Deputy Commissioner(Litigation, TU & ARU)	• DC (TU & ARU) • Litigation/Arbitration matters, including all BT branch and miscellaneous Court/Arbitration cases, CCTV case, etc.
10	Navin Kocchar	Deputy Commissioner(CDC)	• DC (STA)
11	N. Sampat Naik	Deputy Commissioner(CDC)	• Road Safety • CPIO (DRTI), Transport Department
12	Krishna Kant	Sr. System Analyst	• IT (including Delhi Transport Stack) • All IT projects handled by NIC
13	RK Reddy	Dy. Controller of Accounts	• Finance & Accounts

P.T.O

GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
TRANSPORT DEPARTMENT: ADMINISTRATION BRANCH
5/9 UNDER HILL ROAD, DELHI-110054

F. No. F-8(13)/95/Admn/Tpt/Pt file/8258   Dated : 18.02.2025

OFFICE ORDER

S.No.	Nameof OfficerwithDesignation	Place of Posting
1.	Sh.SampathNaik,DTO	• DC (Road Safety) + CPIO(DRTI)
2.	Sh.P.MRao,DTO	• DTO (Dwarka) w.e.f. 1st March 2025 (till 28.02.25: OSD with DTO (Dwarka))
3.	Sh.RakeshKumar,DTO(Ad-hoc)	• DTO(MallRoad)
4.	Sh. Mukesh Budhiraja, DTO (Ad-hoc)	• DTO (HQ) + SO (Operations)
5.	Sh.SanjayNarula,DTO(Ad-hoc)	• DL Suspension
6.	Sh.M.Johnson,DTO(Ad-hoc)	• DTO(ARU &TaxiUnit)
7.	Sh.SukhpalSingh,PCO	• DTO(MayurVihar)
8.	Sh.RajeshKumar,PCO	• DTO (South Zone)
9.	Sh.SubhashChand,PCO	• DTO(Dwarka)
10.	Sh.PrinceGarg,PCO	• PCO (HQ)
11.	Sh.RakeshVaid,PCO	• DTO(Jhuljhuli)/MorningShift
12.	Sh. Ranjan Kumar, SO	• DTO(Jhuljhuli)/EveningShift
13.	Sh.SunilChauhan,PCO	• DTO(Burari)
14.	Sh.NavinKochhar,PCO	• DC (STA) CDC
15.	Sh. Ashok Kaushik, EO	• EO (HQ)
16.	Sh.SatenderDabbas,PCO	• SO (ARU & TU)
17.	Sh.JoginderDabbas,PCO	• PCO (DwarkaZone)
18.	Sh.AshwaniKumar,PCO	• PCOBranch
19.	Smt. Jaswinder Kaur, SO	• AS (STA)
20.	Sh. Ashok Kumar, SO	• SO (Scrapping Cell)
21.	Sh. Pradeep Kumar, SO	• SO (MRTS & RRTS Branch)
22.	Sh. Randheer Kumar Bhaskar, SO	• SO (Caretaking Branch)
23.	Sh. Manoj Shivrain, SO	• SO (Vigilance Branch) • SO (Estate)
24.	Sh. Bhupinder Singh, SO	• SO (DTC Bus Operations) • SO (BT Infrastructure& IGL matters)
25.	Sh. Vicky Dhanwaria, SO	• SO (BT - Court & Arbitration cases)
26.	Ms. Kumari Anupama, SO	• ADO, Transport
27.	Sh. Pushpraj, SO	• SO (Litigation& Arbitration) &CCTV case • SO (Scrapping Cell)
28.	Sh. Rustom, SO	• SO (Cluster Bus Operations) • SO (DIMTS matters)
29.	Sh. Sumeet Kumar, SO	• SO (EV Cell)

This issues with the approval of the Addl. Chief Secretary& Commissioner Transport, GNCTD.

Dy. Commissioner (Admin)
Transport Department

F. No. F-8(13)/95/Admn/Tpt/Pt file/8238.   Dated : 18.02.25

Copy to:

1. PS to ACS cum Commissioner Transport Department, GNCTD
2. All Special Commissioners/Deputy Commissioners/DTOs, Transport Department, GNCTD
3. Sr. System Analyst, Computer Branch, Transport Department, GNCTD for uploading on the Transport Department website.

Dy. Commissioner (Admin)
Transport Department

दिल्ली पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी, लाल किला समेत इन जगहों पर जाने से पहले चेक कर लें रूट

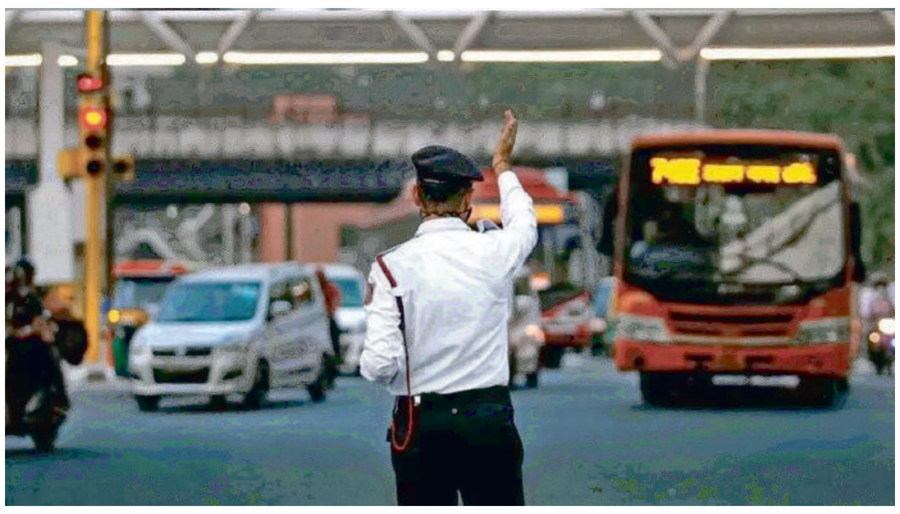

परामर्श में कहा गया है कि दमकल गाड़ियां एम्बुलेंस शव वाहन गर्भवती महिलाओं या मोटर चालित परिवहन की आवश्यकता वाले रोगियों को ले जाने वाले वाहन प्रवर्तन वाहन और रखरखाव वाहन (उत्तरी डीएमसी दिल्ली पुलिस बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड लोक निर्माण विभाग सीपीडब्ल्यूडी दिल्ली जल बोर्ड इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड और सुरक्षा वैन के साथ बैंक करेंसी वैन सहित) एचसी सेन मार्ग और खारी बावली के माध्यम से प्रवेश कर सकेंगे।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली पुलिस ने सलाह देते हुए कहा कि लाल किले से फतेहपुरी तक चांदनी चौक रोड पर 12 घंटे के लिए यातायात की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी है।

12 घंटे के लिए लगाए गए बैरियर

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, लाल किले से फतेहपुरी तक मुख्य चांदनी चौक रोड को दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक गैर-मोटर चालित वाहन (एनएमवी) क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया गया है। इस अधिसूचना को लागू करने के लिए, मुख्य चांदनी चौक रोड की ओर जाने वाली सभी सड़कों/गलियों पर बूम बैरियर लगाए गए हैं।

इन वाहनों को मिलेगा रास्ता

परामर्श में कहा गया है कि दमकल गाड़ियां, एम्बुलेंस, शव वाहन, गर्भवती महिलाओं या मोटर चालित परिवहन की आवश्यकता वाले रोगियों को ले जाने वाले वाहन, प्रवर्तन वाहन (उत्तरी डीएमसी और दिल्ली पुलिस), और रखरखाव वाहन (उत्तरी डीएमसी, दिल्ली पुलिस, बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड, लोक निर्माण विभाग, सीपीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड, इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड और सुरक्षा वैन के साथ बैंक करेंसी वैन सहित) एचसी सेन मार्ग और खारी बावली के माध्यम से प्रवेश कर सकते हैं। इसमें कहा गया है कि मोटर चालकों से अनुरोध है कि वे धैर्य रखें, यातायात नियमों का पालन करें तथा सुगम यात्रा के लिए यातायात कर्मियों के साथ सहयोग करें।

पाठकनामा

रेलवे स्टेशनों पर बढ़ती भीड़ और भगदड़ जैसी भयावह घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने एक साहसिक और दूरदर्शी निर्णय लिया है। अब देशभर के 60 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर होल्डिंग ज़ोन बनाए जाएंगे, ताकि अनियंत्रित भीड़ पर लगाम लगाई जा सके और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हाल ही में हुई भगदड़ की त्रासदी से सबक लेते हुए यह फैसला लिया गया है। इस योजना के तहत, यात्रियों को स्टेशन परिसर में अनावश्यक भीड़ से बचाने के लिए स्थायी और अस्थायी इंतज़ाम किए जाएंगे। भीड़ नियंत्रण को अत्याधुनिक बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की मदद ली जाएगी, जिससे किसी भी संकट की स्थिति में त्वरित और सटीक निर्णय लिए जा सकें।

रेलवे प्रशासन ने भीड़ पर नियंत्रण के लिए और कड़े कदम उठाए हैं, जिसमें प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री रोकने जैसा प्रभावी फैसला भी शामिल है। इससे स्टेशन पर अनावश्यक भीड़भाड़ कम होगी और केवल आवश्यक यात्रियों को ही प्रवेश मिलेगा। यह कदम भारतीय रेलवे के इतिहास में सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण की दिशा में एक नई क्रांति लाएगा। इससे न केवल यात्री सुविधाएं बेहतर होंगी, बल्कि किसी भी अनहोनी को टालने में भी सफलता मिलेगी। सरकार का यह निर्णय यात्रियों की सुरक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है और भविष्य में रेलवे यात्रा को और अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और निर्बाध बनाने की ओर एक मजबूत कदम है।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत", बड़वानी (मप्र)

कुंभ के चलते बेतहाशा बढ़ा किराया, दिल्ली से प्रयागराज का सफर हुआ महंगा; सामने आई बड़ी

परिवहन विशेष न्यूज

महाकुंभ के लिए दिल्ली से प्रयागराज जाने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। इसके चलते टूरिस्ट बसों और टेंपो ट्रैवलर की मांग 40 प्रतिशत तक बढ़ गई है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए दूसरे राज्यों से वाहन मंगाए जा रहे हैं। किराए में 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। कुंभ के साथ ही अयोध्या और काशी के दर्शन के लिए भी पैकेज उपलब्ध हैं।

नई दिल्ली। प्रयागराज में कुंभ स्नान के चलते टूरिस्ट वाहनों की बुकिंग में भी काफी तेजी है। मांग इतनी है कि टूरिस्ट वाहन संचालक उसे पूरा नहीं कर पा रहे हैं। क्योंकि, वाहन कम पड़ जा रहे हैं। दूसरे राज्यों से टूरिस्ट बसें व टेंपो ट्रैवलर मंगाकर दिल्ली वालों को प्रयागराज भेजकर कुछ स्थिति में सुधार की कोशिश की जा रही है, लेकिन सड़क मार्ग पर लगने वाला जाम राह मुश्किल कर रहा है।

मामले के जानकारों के अनुसार, हाल के दिनों में प्रयागराज की बुकिंग में 40 प्रतिशत की तेजी आई है। यह इसलिए क्योंकि, अब कुंभ के संपन्न होने में चंद दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में बचे लोग तय तिथि में कुंभ स्नान के भरसक प्रयास में है।

टूरिस्ट वाहनों की मांग में उछाल

इस स्थिति में जबकि ट्रेनों में टिकट कंफर्म नहीं मिल रहा है। साथ ही रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ है। तब लोग सड़क मार्ग के जरिए भी प्रयागराज पहुंचने की कोशिश में है।

दिल्ली के पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों के अनुसार, मौजूदा समय में प्रतिदिन दिल्ली से प्रयागराज 700 से अधिक पर्यटन वाहन बुकिंग पर जा रहे हैं। इसमें 350 के करीब टूरिस्ट बसें, 150 टेंपो ट्रैवलर व 200 अन्य टूरिस्ट वाहन है। यह मांग रोडवेज की बसों से अलग है।

पैकेज में कुंभ व साथ ही अयोध्या व काशी का भी दर्शन

मांग अधिक होने की वजह से टूरिस्ट बसों व टेंपों ट्रैवलर संचालकों ने किराया भी बढ़ा दिया है। यह बढ़ोत्तरी 30 प्रतिशत से लेकर किसी-किसी मामले में 50 प्रतिशत तक है। उसमें भी कई बुकिंग प्रयागराज के साथ ही काशी और अयोध्या का भी पैकेज है। कुंभ स्नान का पैकेज दो से तीन दिन तो बाकि दो स्थानों को लेकर यह तीन से चार दिन का है।

आल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआइएमटीसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश सब्बरवाल के अनुसार यह मांग अप्रत्याशित है। उन लोगों ने 40 वर्षों के व्यवसायिक अनुभव में ऐसी मांग नहीं देखी है। वह कहते हैं कि हर कोई कुंभ में जाना चाहता है।

यात्रा के घंटे पहले के मुकाबले में कितने बढ़े?

अब जबकि, कुंभ संपन्न होने की ओर है तो यह मांग और बढ़ी है, जिसे पूरा करने में हरिद्वार, आगरा, मेरठ, अंबाला व अमृतसर समेत शहरों से टूरिस्ट वाहनों को मंगाया जा रहा है, लेकिन हर जगह वाहनों की किल्लत है।

ऊपर से प्रयागराज के रास्ते में जाम मुश्किलें बढ़ा दे रहा है। जो यात्रा 12 घंटे में पूरी होनी चाहिए, उसमें 16 से 20 घंटे तक लग जा रहे हैं। उसमें भी प्रयागराज से पहले ही वाहनों को रोक दिया जा रहा है। इसके चलते खर्च और दिन बढ़ जा रहे हैं।

दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट के अनुसार, कुंभ से दिल्ली के पर्यटन वाहन उद्योग को जबरदस्त काम मिला है। स्थिति यह कि जितनी बुकिंग आ रही है, उसके मुकाबले वाहन कम पड़ जा रहे हैं।

हर बुकिंग करने वाले समूह 26 फरवरी तक कुंभ हो आना चाह रहा है। क्योंकि, महाशिवरात्रि के दिन कुंभ का आखिरी स्नान है। बुकिंग करने वालों में कॉलोनियों के निवासी, व्यापारी वर्ग व निजी तौर पर भी है।

45 सीटों वाली बस कितना ले रही किराया?

मांग अधिक है तो टूरिस्ट वाहनों का किराया भी बढ़ गया है। जो 45 सीटों वाली बस आम दिनों में प्रयागराज आने-जाने का किराया 90 हजार रुपये लेती, वह एक लाख 20 हजार रुपये तक वसूल रही है। इसी तरह, टेंपो ट्रैवलर का किराया 40 हजार से बढ़कर 60 हजार रुपये तक हो गया है।

उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वाभाव, कैरियर, रोग और उपाय

ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश पौराणिक (इंजी)

उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में चार तारे है जो हाथी के दांत की भांति नक्षत्र मंडल में दिखाई पड़ते हैं।

उत्तराषाढ़ा का अर्थ है अंतिम या बाद में विजय प्राप्ति। इस नक्षत्र के नक्षत्र पति सूर्य तथा देवता दश विश्वदेवों को जिनके नाम कुछ इस प्रकार हैं। शुभता, शिखर, आभा, पितृ, सत्य, इच्छाशक्ति, दक्षता, काल, आकांक्षा और संकल्प को माना गया है। विद्वानों ने पश्चिम दिशा को उत्तराषाढ़ा नक्षत्र की दिशा मानी है।

स्वभाव: उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में जन्मे जातक विनम्र, मृदुभाषी, गरिमायुक्त कृतज्ञ, भाग्यशाली होता है। व्यक्ति धर्मपालक, सदाचारी तथा अनेक मित्रों का सुख पाने वाला, विलासी तथा धनी होता है। ऐसा जातक लक्ष्य के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है।

कैरियर: उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में जन्मे जातक सरकारी कर्मचारी, परमार्थ के कार्य, परामर्शदाता, मनोवैज्ञानिक कार्य, सेना अधिकारी, हाथी पालन प्रशिक्षण, गोला बारूद व्यापार, राजनेता, चिकित्सक, एथलीट, अध्यापक, क्रिकेटर, बॉक्सर आदि में कैरियर बनाकर सफलता प्राप्त कर सकता है।

रोग: इस नक्षत्र में जन्मे जातक को शरीर का दर्द, कमर दर्द, पीलिया जोड़ो में दर्द तथा कफ संबंधित बीमारी बनी रहती है।

उपाय: उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में जन्मे जातक को भगवान गणेश की उपासना करना अत्यंत लाभकारी रहती है तथा गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ करना सभी कष्टों से मुक्ति प्रदान करता है। नारंगी, पीला तथा सफेद रंग का प्रयोग इनके लिए भाग्यवर्धक होता है।

महाशिवरात्रि पर शिवलिंग पर चढ़ाएं काले तिल और चावल, मिलते हैं गजब के फायदे

दिव्यांशी भदौरिया

महाशिवरात्रि का त्यौहार आने में ज्यादा समय नहीं बचा है। इस दिन भक्तजन भगवान शिव की विधिवत रुप से पूजा-अर्चना करते हैं। इस दिन माना जाता है कि शिवलिंग पर काले तिल और चावल अर्पित करने से शुभ परिणाम मिलते हैं।

शिव भक्तों को महाशिवरात्रि पर्व का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस साल महाशिवरात्रि का त्यौहार 26 फरवरी 2025 को मनाया जा रहा है। इस दिन भगवान शिव की विधिवत रुप से पूजा-अर्चना करते हैं। भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए भक्त कई उपाय करते हैं। महाशिवरात्रि पर भोलेबाबा को प्रसन्न करने के लिए भांग, धतूरा व बेलपत्र अर्पित करने के साथ ही जलाभिषेक करते हैं। हालांकि, शिवलिंग पर काले तिल और चावल को अर्पित करने से भी भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। आइए आपको बताते हैं महाशिवरात्रि पर शिवलिंग पर काले तिल व चावल चढ़ाने से क्या होता है।

काले तिल चढ़ाने का महत्व

ज्योतिष के अनुसार, शिव पूजन में काले तिल का अर्पित करना शुभ होता है। मान्यता है कि महाशिवरात्रि पर शिवलिंग पर काले तिल अर्पित करने से सर्प दोष, शनि की साढ़ेसाती व ढैय्या का अशुभ प्रभाव कम होता है। इतना ही नहीं, शिवलिंग पर काले तिल को अर्पित करने से व्यक्ति को हर तरह की परेशानियों से मुक्ति मिल जाती है और ऐसा करने से भगवान शिव की कृपा से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है।

शिवलिंग पर कच्चा तिल चढ़ाने से क्या होता है

महाशिवरात्रि पर कच्चा चावल चढ़ाने से भगवान शिव काफी प्रसन्न होते हैं। इसके साथ ही महाशिवरात्रि पर धन-धान्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार शिवलिंग पर अक्षत अर्पित करने से भगवान शिव की कृपा से मनवांछित फल प्राप्त होने के साथ ही धन लाभ भी होता है।

आयुर्वेद में नाड़ी परीक्षण का विज्ञान

नाडी परीक्षण के बारे में चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, शारंगधर संहिता, भावप्रकाश, योगरत्नाकर आदि ग्रंथों में वर्णन है। महर्षि सुश्रुत अपनी योगिक शक्ति से समस्त शरीर की सभी नाड़ियाँ देख सकते थे ऐलोपेथी में तो पल्स सिर्फ दिल की धड़कन का पता लगाती है;पर ये इससे कहीं अधिक बताती है आयुर्वेद में पारंगत वैद्य नाडी परीक्षा से रोगों का पता लगाते है इससे ये पता चलता है की कौन सा दोष शरीर में दूषित है ये बिना किसी महँगी और तकलीफ दायक डायग्नोस्टिक तकनीक के बिलकुल सही निदान करती है। जैसे कि शरीर में कहाँ कितने साइज़ का ट्यूमर है, किडनी खराब है या ऐसा ही कोई भी जटिल से जटिल रोग का पता चल जाता है। दक्ष वैद्य हफ्ते भर पहले क्या खाया था ये भी बता देतें है। भविष्य में क्या रोग होने की संभावना है ये भी पता चलता है।

1. महिलाओं का बांया और पुरुषों का दाँया हाथ देखा जाता है।
2. कलाई के अन्दर अंगूठे के नीचे जहां पल्स महसूस होती है तीन उंगलियाँ रखी जाती है।
3. अंगूठे के पास की ऊँगली में वात, मध्य वाली ऊँगली में पित्त और अंगूठे से तीसरी ऊँगली में कफ महसूस किया जा सकता है।
4. वात की पल्स अनियमित और मध्यम तेज चलती है ।
5. पित्त की बहुत तेज पल्स महसूस होगी।
6. कफ की बहुत कम और धीमी पल्स महसूस होगी।
7. तीनो उंगलियाँ एक साथ रखने से हमें ये पता चलेगा कि कौन सा दोष अधिक है।
8. प्रारम्भिक अवस्था में ही उस दोष को कम कर देने से रोग होता ही नहीं।
9. हर एक दोष की भी 8 प्रकार की पल्स होती है; जिससे रोग का पता चलता है, इसके लिए अभ्यास की ज़रुरत होती है।
10. कभी कभी 2 या 3 दोष एक साथ हो सकते है।
11. नाडी परीक्षा अधिकतर सुबह उठकर आधे एक घंटे बाद करते है जिससे हमें अपनी प्रकृति के बारे में पता चलता है। ये भूख प्यास, नींद, धुप में घुमने, रात्री में टहलने से, मानसिक स्थिति से, भोजन से, दिन के अलग अलग समय और मौसम से बदलती है।
12. चिकित्सक को थोड़ा आध्यात्मिक और योगी होने से मदद मिलती है। सही निदान करने वाले नाडी पकड़ते ही तीन सेकण्ड में दोष का पता लगा लेते है। वैसे 30 सेकण्ड तक देखना चाहिए।
13. मृत्यु नाडी से कुशल वैद्य भावी मृत्यु के बारे में भी बता सकते है।
14. आप किस प्रकृति के है ? वात प्रधान, पित्त प्रधान या कफ प्रधान या फिर मिश्रित । यह भी नाड़ी विज्ञान द्वारा जाना जा सकता है

आज भारत में एलोपैथी चिकित्सा आने तथा उसे बढ़ावा मिलने के कारण नाड़ी वैद्य बहुत कम रह गए हैं किंतु इस विद्या को बचाने की आवश्यकता है आयुर्वेद का अध्ययन कर रहे युवाओं को इसे पुराने वैद्यों से अवश्य सीखना चाहिए।

छोटे बच्चों के सर्दी, जुकाम, छींक, खांसी और बुखार सभी के लिए 1 औषधि

सीतोपलादी चूर्ण सीतोपलादी चूर्ण आयुर्वेद का बहुत प्रसिद्ध औषधि है। जब सर्दी, खांसी, बुखार 1 साथ यह सब हो जायें तो उसके लिए सीतोपलादी चूर्ण प्रयोग करें।

औषधि सीतोपलादी चूर्ण 1 चुटकी (1/4 चम्मच) शहद में मिलाकर प्रातः और सायंकाल खाली पेट चटायें। इससे छोटे बच्चों के सर्दी, जुकाम, छींक, खांसी और बुखार ठीक हो जायेगी। बडे लोगों के लिए 1/2 चम्मच चूर्ण का प्रयोग करें।

बनाने की विधि नीचे बताई गयी चीजे किसी भी किराना की दुकान पे आराम से मिल जायेगी।

1. मिश्री-16 भाग 160 g.m
2. वंशलोचन - 8 भाग 80 g.m
3. पिप्पली-4 भाग 40 g.m
4. इलाइची- 2 भाग 20 g.m
5. दालचीनी- 1 भाग 10 g.m इन

इन सब को बरीक पीस ले और बन गया आप का सितोपलादि चूर्ण। यह चूर्ण मधु या घी के साथ लिया जाता हैं 2-4 ग्राम।

एडीएचडी के लक्षणों को कम कर सकती है सही डाइट! एक्सपर्ट ने बताया क्या खाना चाहिए और क्या नहीं

एडीएचडी (Attention Deficit Hyperactivity Disorder) एक न्यूरोलॉजिकल कंडीशन है, जिसमें व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने, चीजों को याद रखने और एक ही जगह लंबे समय तक बैठने में परेशानी होती है। आमतौर पर यह समस्या बच्चों में देखी जाती है, लेकिन वयस्क भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि सही डाइट अपनाकर ADHD के लक्षणों को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है?

एक्सपर्ट्स का मानना है कि कुछ खास पोषक तत्व ध्यान और फोकस बढ़ाने में मदद कर सकते हैं, जबकि कुछ फूड आइटम्स लक्षणों को और खराब कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कि ADHD में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं (ADHD Foods To Eat And Avoid)।

क्या है अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (ADHD)?

अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) एक मानसिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होती है और उसका व्यवहार बहुत ज्यादा सक्रिय और उलझा हुआ रहता है। इस बीमारी में, व्यक्ति अपने काम पर ध्यान नहीं दे पाता और उसे समय पर या बिना भटकाव के काम पूरा करने में मुश्किल होती है। इसके लक्षणों में ज्यादा बोलना, बिना सोचे-समझे फैसले लेना और लगातार हलचल में रहना शामिल होते हैं। एडीएचडी का इलाज दवाइयों और दूसरे उपचारों से होता है, लेकिन सही आहार भी इसके लक्षणों को सुधारने में मदद कर सकता है। यशोदा सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी की डाइटीशियन और नूट्रिशनिस्ट डॉक्टर भावना गर्ग का कहती हैं, कि एडीएचडी के मरीजों को अपनी डाइट पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कुछ खाद्य पदार्थ एडीएचडी के लक्षणों को और बढ़ा सकते हैं, जबकि कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे हैं जो ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं और शांति लाते हैं। एक संतुलित आहार न केवल मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता को भी सुधारता है।

ADHD में मददगार हैं खाने की ये चीजें

ओमेगा-3 फैटी एसिड्स: ये दिमाग के लिए फायदेमंद होते हैं। ओमेगा-3 से भरे खाद्य पदार्थ जैसे मछली (सल्मोन, सार्डिन), फ्लैक्ससीड्स, और अखरोट, एडीएचडी के लक्षणों को कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

शिव नवरात्रि पर्व श्रीमहाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग उज्जैन

श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में महाशिवरात्रि के पहले शिव नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। शिव नवरात्रि का पर्व बड़े ही उत्साह से मनाया जाता है, जिसके अतंर्गत प्रतिदिन बाबा महाकाल का आकर्षक श्रृंगार किया जाता है। इस दौरान पूरे 9 दिन तक महाकाल के दरबार में देवाधिदेव महादेव और माता पार्वती के विवाहोत्सव का उल्लास रहता है।

शैव मतानुसार :- महाशिवरात्रि के 9 दिन पूर्व अर्थात; फाल्गुन कृष्ण पक्ष पंचमी 17 फरवरी 2025 से फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 26 मार्च महाशिवरात्रि तक शिव नवरात्रि या महाकाल नवरात्रि का 9 दिन का उत्सव बताया गया है। जिस प्रकार शक्ति की आराधना हेतु देवी नवरात्रि रहती है, उसी प्रकार भगवान्‌शिव की साधना के लिए शिव नवरात्रि का विधान बताया गया है।

उज्जैन शक्तिपीठ और शक्तितीर्थ :- यहां महाकाल के साथ देवी हरसिद्धि विराजित हैं। शिव-पार्वती संबंध के कारण शक्ति की तरह शिव की भी नवरात्रि उत्सव की परंपरा है। यहां नौ रात्रि तक विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल नवरात्रि के दौरान लघुरुद्र, महारुद्र, अतिरुद्र, रुद्राभिषेक, शिवार्चन, हरिकीर्तन के आयोजन किए जाते हैं। श्री शिव नवरात्रि देश के प्रसिद्ध बारह ज्योतिर्लिंगों के अलावा कई शिव मंदिरों में विशेष रूप से मनाई जाती है। शिव नवरात्रि के अंतर्गत; भस्मारती के बाद प्रातः श्री महाकालेश्वर मंदिर के नैवेद्य कक्ष में भगवान श्री चंद्रमौलीश्वर का पूजन किया जायेगा, उसके पश्चात कोटितीर्थ कुण्ड के समीप स्थापित श्री कोटेश्वर महादेव का अभिषेक एवं पूजन किया जायेगा। उसके पश्चात 11 पंडितों द्वारा एकादश-एकादशनी, लघु रुद्र पाठ किया जाता है। गर्भगृह में भगवान महाकाल का पंचामृत अभिषेक पूजन कर केसर युक्त चंदन के लेपन से भगवान का दूल्हा बनाया जाएगा। श्री महाकालेश्वर मंदिर, उज्जैन में महाशिवरात्रि पर्व भूतभावन बाबा महाकाल और माता पार्वती के विवाह उत्सव और शिव नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान पूरे नौ दिन तक महाकाल के दरबार में देवाधिदेव महादेव और माता पार्वती के विवाहोत्सव का उल्लास रहता है। भस्म रमाने वाले बाबा महाकाल दूल्हा बनते हैं। उन्हें हल्दी लगाई जाती है और हल्दी और चंदन से ऊबटन कर उनका नित नया मनमोहक श्रृंगार किया जाता है। मान्यतानुसार भगवान शिव को पुजन मे हल्दी नही चढ़ाई जाती है; किन्तु इन 9 दिनों मे बाबा महाकाल को नित्य हल्दी, केशर, चन्दन का उबटन, सुगंधित इत्र, ओषधी, फलो के रस आदि से स्नान करवाया जाता है। जिस प्रकार विवाह के दौरान दूल्हे को हल्दी लगाई जाती है। उसी प्रकार भगवान महाकाल को भी हल्दी लगाई जाती है। शिव नवरात्रि महोत्सव के प्रथम दिवस, अर्थात; 17 फरवरी को भस्म रमाने वाले भूतभावन बाबा महाकाल को दूल्हा बनाया जाता है, और इसके साथ ही उज्जैन के महाकाल मंदिर में शिव नवरात्रि महोत्सव की शुरूआत होती है। 9 दिनों तक चलने वाले इस विवाह उत्सव में शहर सहित देशभर के श्रद्धालु पहुँचते हैं। 9 दिनों तक सांय को केसर व हल्दी से भगवान महाकालेश्वर का अनूठा श्रृंगार किया जाएगा। पुजारी भगवान को हल्दी लगाकर दूल्हा बनाएंगे। भक्तों को 9 दिन तक भगवान महाकाल अलग-अलग रूपों में दर्शन देंगे।

शिव नवरात्रि महोत्सव 2025
विभिन्न श्रृंगार :-

17 फरवरी 2025:- श्री महाकालेश्वर भगवान जी को चन्दन श्रृंगार, सोला एवं दुपट्टा तथा जलाधारी को मेखला धारण करवाया जाएगा।

18 फरवरी:- श्री पंचमुखी शेषनाग श्रृंगार दर्शन

19 फरवरी:- श्री घटाटोप श्रृंगार दर्शन

20 फरवरी:- श्री छबीना श्रृंगार दर्शन

21 फरवरी:- श्री होल्कर मुखौटा श्रृंगार दर्शन

22 फरवरी:- श्री मनमहेश स्वरूप श्रृंगार दर्शन

23 फरवरी:- श्री उमा महेश स्वरूप श्रृंगार दर्शन

24 फरवरी:- श्री शिव तांडव स्वरूप श्रृंगार दर्शन

25 फरवरी:- महाशिवरात्री विशेष श्रृंगार दर्शन

26 फरवरी:- सप्तधान एवं सेहरा श्रृंगार दर्शन श्री महाकालेश्वर भगवान जी को प्रतिदिन कटरा, मेखला, दुपट्टा, मुकुट, मुंडमाल, छत्र, आदि वस्त्र एवं आभूषण पहनायें जाएंगे। अवंतिकानाथ के दिव्य रूप के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त उमड़ते हैं। शिव विवाहोत्सव के लिए मंदिर को वस्त्र, पुष्प तथा विद्युत रोशनी से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। श्री महाकाल महाराज के दरबार में भगवान महाकाल और माता पार्वती के विवाह उत्सव का उल्लास; शिव नवरात्रि के प्रथम दिवस से बिखरने लगता है।

महाशिवरात्रि का पर्व यूँ तो हर ज्योतिर्लिंग और शिवालय में मनाया जाता है, किन्तु उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व खास होता हैं।

छत्रपति शिवाजी की जयंती

19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती मनाई जाती है, जो भारतीय इतिहास में सबसे सम्मानित शख्सियतों में से एक है।19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती मनाई जाती है, जो भारतीय इतिहास में सबसे सम्मानित शख्सियतों में से एक है। जबकि तिथि हिंदू तिथि के अनुसार बदलती रहती है, ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार, यह दिन महान मराठा शासक शिवाजी महाराज के जीवन और उपलब्धियों को मनाने के लिए समर्पित है।

छत्रपति शिवाजी महाराज कौन थे? छत्रपति शिवाजी महाराज, जिनका मूल नाम शिवाजी भोंसले था, भोंसले मराठा वंश से थे और उनका जन्म मराठी शालिवाहन कैलेंडर के अनुसार 1630 में शिवनेरी किले में हुआ था। सबसे प्रसिद्ध मराठा शासकों में से एक माने जाने वाले, उन्होंने बीजापुर के आदिलशाही सल्तनत से क्षेत्र अलग करके मराठा साम्राज्य की शुरुआत की। महज 16 वर्ष की आयु में, उन्होंने तोरण किले पर कब्जा कर लिया, उसके एक वर्ष पश्चात रायगढ़ और कोंडाना किलों पर कब्जा कर लिया, जिससे हिंदवी स्वराज्य, या मूल भाषा में स्व-शासन की उनकी खोज में महत्वपूर्ण मील के पत्थर चिह्नित हुए।

छत्रपति शिवाजी महाराज जी का इतिहास शिवाजी महाराज जयंती के उत्सव का एक समृद्ध इतिहास है। समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले ने 1870 में रायगढ़ किले में शिवाजी महाराज की कब्र की खोज के बाद उत्सव की शुरुआत की। यह परंपरा महान स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक के साथ भी जारी रही, जिन्होंने न केवल इस दिन को मनाया बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जनता के बीच मराठा राजा के योगदान को भी उजागर किया।

छत्रपति शिवाजी महाराज का महत्व शिवाजी महाराज की विरासत हिंदू रीति-रिवाजों को संरक्षित करने, विदेशी आक्रमणकारियों के खिलाफ मराठा लोगों को एकजुट करने और एक विकेन्द्रीकृत प्रशासनिक संरचना का नेतृत्व करने में उनके कौशल में गहराई से निहित है। उनकी उपाधि 'छत्रपति', जिसका अर्थ है 'सर्वोपरि संप्रभु', उन्हें उनकी बहादुरी, रणनीतिक कौशल और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता के लिए दी गई थी। शिवाजी महाराज की बहादुरी, ईमानदारी और स्वशासन के आदर्श आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करते हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती समारोह की धूम छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती महाराष्ट्र और मराठा भाषी समुदायों के बीच बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। इस दिन को विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा चिह्नित किया जाता है, जिसमें जुलूस, सांस्कृतिक कार्यक्रम और समारोह शामिल होते हैं जो शिवाजी महाराज के जीवन, उपलब्धियों और मूल्यों को उजागर करते हैं।

दही में अजवाइन मिलाकर पीने से कब्ज की शिकायत होगी दूर, साथ ही मिलेंगे कई सेहत लाभ

1 दही के रोजाना सेवन से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। दही में अजवाइन मिलाकर पीने से कब्ज की शिकायत दूर होती है।

2 गर्मी के मौसम में दही की छाछ या लस्सी पीने से पेट की गर्मी शांत होती है। इसे पीकर बाहर निकले तो लू से भी बचाव होता है।

3 दही पाचन क्षमता बढ़ाता है। दही में कैल्शियम प्रचुर मात्रा में होता है। इसे रोजाना खाने से पेट की कई बीमारियां ठीक हो जाती हैं।

4 दही का रोजाना सेवन सर्दी और सांस की नली में होने वाले इंफेक्शन से बचाता है।

5 अल्सर जैसी बीमारी में दही के सेवन से विशेष लाभ मिलता है।

6 मुंह में छाले होने पर दही का कुल्ला करने से छाले ठीक हो जाते हैं।

ड्रमिंग का महत्व और 'रिदमशाला' द्वारा युवाओं के बीच 'आर्ट ऑफ़ रिदम' का प्रचार

अंकुर शरण

संगीत न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-अनुशासन और सामाजिक समरसता को भी प्रोत्साहित करता है। ड्रमिंग (Drumming) यानी ताल वादन एक प्राचीन कला है, जो ऊर्जा, ध्यान और आत्म-अभिव्यक्ति को सशक्त बनाती है।

ड्रमिंग और मानसिक स्वास्थ्य:

ड्रमिंग थेरेपी का उपयोग मानसिक तनाव, चिंता, और अवसाद को कम करने के लिए किया जाता है। जब हम तालबद्ध रूप से ढोल बजाते हैं, तो हमारा मस्तिष्क डोपामाइन और एंडोर्फिन जैसे 'फील-गुड' हार्मोन रिलीज़ करता है, जिससे मन को सुकून और ऊर्जा मिलती है।

'रिदमशाला' और 'आर्ट ऑफ़ रिदम' की पहल:

'रिदमशाला' ने विश्व NGO दिवस के अवसर पर 'ग्लोबल कॉन्फेडरेशन ऑफ़ NGOs' के साथ मिलकर 'आर्ट ऑफ़ रिदम' का आयोजन किया है। इस विशेष कार्यक्रम में अनेक NGO और स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं, जहाँ ड्रमिंग वर्कशॉप आयोजित की जाएंगी। इन वर्कशॉप्स के माध्यम से युवाओं को न केवल संगीत का आनंद मिलेगा, बल्कि वे अपनी भावनाओं को स्वस्थ तरीके से व्यक्त कर पाएंगे।

ड्रमिंग को युवाओं में बढ़ावा देने के लिए विशेष पहल:

1. स्कूलों में रिदम थेरेपी प्रोग्राम:

स्कूल और कॉलेजों में वर्कशॉप्स आयोजित कर विद्यार्थियों को ड्रमिंग के माध्यम से ध्यान केंद्रित करने और तनाव प्रबंधन के गुर सिखाए जाएंगे।

2. बीट्स फॉर वेलनेस' अभियान:

मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न NGO के सहयोग से साप्ताहिक सामूहिक ड्रमिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे।

3. ताल संगम – एकता का उत्सव:

विभिन्न समुदायों और वर्गों को जोड़कर, एक समरसता और सौहार्द्र को प्रोत्साहित करने के लिए ताल वादन प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी।

4. बजाओ और बढ़ाओ मुहिम:

वंचित और दिव्यांग बच्चों को मुफ्त ड्रमिंग प्रशिक्षण प्रदान कर, उनके आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जाएगा।

5. संगीत और योग का समावेश:

ड्रमिंग को योग और ध्यान से जोड़कर, शरीर और मन के संतुलन को बेहतर बनाने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

ड्रमिंग सिर्फ़ संगीत नहीं, बल्कि एक माध्यम है जो आत्म-अभिव्यक्ति, आत्म-नियंत्रण और मानसिक शांति को बढ़ावा देता है। रिदमशाला की यह पहल युवाओं को प्रेरित करेगी कि वे अपने जीवन में ताल (Rhythm) को अपनाएं और एक बेहतर समाज के निर्माण में योगदान दें।

भाजपा मुख्यमंत्री का नाम अभी तक तय नहीं कर पाई है या फिर इसके पीछे कोई बड़ा रहस्य है, जिसे वह छिपाना चाहती है: गोपाल राय

मुख्य संवाददाता/ सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा किए बगैर शपथ ग्रहण की चल रही तैयारियों को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। "आप" के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि बारात और मंडप तैयार है, लेकिन भाजपा का दूल्हा कौन होगा, ये किसी को पता नहीं है। उन्होंने पूछा कि भाजपा मुख्यमंत्री का नाम अभी तक तय नहीं कर पाई है या फिर इसके पीछे कोई बड़ा रहस्य है। आमतौर पर तो चुनाव में जीत के बाद पार्टी के विधायक दल की बैठक होती है, उसमें उसका नेता चुना जाता है और वह एलजी से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करता है। लेकिन यहां भाजपा सारी तैयारियां पहले ही कर रही हैं, लेकिन मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसका कोई अता-पता नहीं है।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि इस देश में अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग पार्टियों की सरकारें बनती रही हैं, लेकिन यह भारत के इतिहास में पहली बार देखा जा रहा है कि बारात तैयार है, मंडप भी तैयार है, उसका निरीक्षण भी हो रहा है, बस दूल्हा कौन होगा, ये किसी को नहीं पता। भाजपा मुख्यमंत्री का नाम अभी तक तय नहीं कर पाई है या फिर इसके पीछे कोई बड़ा रहस्य है जिसे वह छिपाना चाहती है। जिसकी वजह से केवल मुख्यमंत्री को छोड़कर सारी चीजें हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि आम तौर पर परंपरा रही है कि चुनाव के पश्चात जो भी पार्टी जीती होती है, वह अपने विधायक दल की बैठक करती है, जिसमें विधायक दल का नेता चुना जाता है जो मुख्यमंत्री का दावेदार होता है। वह अपना दावा प्रस्तुत करता है और साथ में राज्यपाल या राष्ट्रपति को अपने मंत्रीमंडल का नाम देता है। वहां से मंजूरी होने के बाद शपथ की तारीख दी जाती है और उसके बाद उसकी तैयारियां शुरू होती हैं। यहां सारी तैयारियां पहले ही हो रही हैं, लेकिन मुख्यमंत्री कौन बनेगा इसका कोई अता-पता नहीं है। लेकिन यह भाजपा है, कुछ भी कर सकती है। इसलिए अगले पांच साल में ये लोग कई और रिकॉर्ड बनाएंगे।

दिल्ली LG से अचानक मिलने क्यों पहुंचे ये नेता? शपथ ग्रहण समारोह से पहले बीजेपी में हलचल तेज

दिल्ली में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। 19 फरवरी को बीजेपी विधायक दल की बैठक होगी जिसमें मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान होगा लेकिन इन सबके बीच खबर है कि बीजेपी ने शपथ ग्रहण समारोह के कार्यक्रम में बदलाव कर दिया है। विनोद तावड़े तरुण चुंग दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना से मिलने गए हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। 19 फरवरी को बीजेपी विधायक दल की बैठक होगी जिसमें मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान होगा, लेकिन इन सबके बीच खबर है कि बीजेपी ने शपथ ग्रहण समारोह के कार्यक्रम में बदलाव कर दिया है। वहीं, अब इस बीच एक खबर सामने आ रही है कि शपथ ग्रहण समारोह में आने वाले अतिथियों के बारे में जानकारी देने के लिए विनोद तावड़े, तरुण चुंग, दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना से मिलने गए हैं।

बता दें कि दिल्ली के नए सीएम का शपथ ग्रहण जहां 20 फरवरी को शाम 4.30 बजे होना था, वहीं अब यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे होना तय हुआ है। इस संबंध में बुधवार को दोपहर 3.30 बजे दिल्ली में विधायक दल की बैठक होने जा रही है।

19 फरवरी को सभी 48 नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक

वहीं, भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व आज एक पर्यवेक्षक नियुक्त करेगा। पर्यवेक्षक की मौजूदगी में पार्टी के सभी 48 नवनिर्वाचित विधायकों के साथ सांसदों और प्रदेश अध्यक्ष की बैठक होगी। बैठक में विधायक दल का नेता चुना जाएगा। उसके बाद विधायक दल का नेता उपराज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेगा।

शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाया जाएगा। इसके लिए रामलीला मैदान में तैयारियां शुरू हो गई हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुघ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा समेत अन्य नेता तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

मंगलवार से आमंत्रण पत्र भेजने का काम भी शुरू

समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र भेजने का काम भी मंगलवार से शुरू हो जाएगा। समारोह में प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और सांसदों को आमंत्रित किया जा रहा है। दिल्ली चुनाव में योगदान देने वाले सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को भी आमंत्रित किया जाएगा।

जस्मीन शाह की किताब 'द दिल्ली मॉडल' अमेरिका के हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में हुई लॉन्च

सुषमा रानी

बोस्टन/नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन के पूर्व उपाध्यक्ष और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता जस्मीन शाह की किताब ₹द दिल्ली मॉडल₹ का अमेरिकी संस्करण 15 फरवरी को बोस्टन में आयोजित हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में लॉन्च किया गया। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में किताब का विमोचन जस्मीन शाह, हार्वर्ड केनेडी स्कूल के प्रोफेसर गौतम नायर और सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के पूर्व अध्यक्ष व ब्राउन यूनिवर्सिटी में विजिटिंग फेलो यामिनी अय्यर, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के फैकल्टी सदस्य, छात्रों और प्रोफेशनल्स सहित सहित कई प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में किया गया और इन्होंने अपने विचार साझा किए।

गत 15 और 16 फरवरी को हार्वर्ड केनेडी स्कूल और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल द्वारा संयुक्त रूप से हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें भारत सरकार, व्यापार जगत और नागरिक समाज के प्रमुख विचारकों ने भारत के विकास के लिए नए और प्रभावशाली विचारों पर चर्चा की। 'द दिल्ली मॉडल' के अमेरिकी संस्करण के लॉन्च के दौरान ₹आप₹ के वरिष्ठ नेता जस्मीन शाह ने सार्वजनिक सेवाओं के कुशल वितरण के लिए राज्य क्षमता निर्माण पर एक पैनल चर्चा में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि किस तरह इस मॉडल ने स्वास्थ्य और शिक्षा को भारतीय राजनीति का मुख्य मुद्दा बना दिया है।

इस दौरान जस्मीन शाह ने कहा कि पिछले तीन दशकों में भारत ने एक असंतुलित विकास मॉडल देखा है, जहां अर्थव्यवस्था तो बढ़ी है, लेकिन मानव विकास में प्रगति ठप हो गई है। पिछले एक दशक में भारत का संयुक्त राष्ट्र के मानव विकास सूचकांक में स्थान 130वें स्थान से गिरकर 134वें स्थान पर आ गया है। दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार ने यह साबित करके दिखाया है कि आर्थिक विकास के लिए मानव विकास को त्यागने की आवश्यकता नहीं है। दिल्ली मॉडल यह दिखाता है कि लोगों के स्वास्थ्य और शिक्षा में निवेश करना और उनकी कमाई की क्षमता बढ़ाना, अर्थव्यवस्था में मांग उत्पन्न करने और सतत विकास का सबसे उपयुक्त तरीका है।

सार्वजनिक सेवाओं के कुशल वितरण में कमजोर राज्य क्षमता और भ्रष्टाचार सबसे बड़ी बाधाएं हैं या नहीं, इस सवाल के जवाब में जस्मीन शाह ने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों में एक दशक के अंदर हुए बदलाव हुए। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत में सार्वजनिक सेवाओं के कुशल वितरण में सबसे बड़ी चुनौती राज्य क्षमता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति है। ₹आप₹ सरकार ने 100 से अधिक सार्वजनिक सेवाओं को घर-घर पहुंचाने, आरटीओ कार्यालयों को बंद करने और सभी ड्राइविंग टेस्ट को ऑटोमेटिक ड्राइविंग ट्रैक पर ले जाने जैसे कदम उठाकर भ्रष्टाचार पर नियंत्रण किया। यह वह क्षेत्र हैं, जहां अधिकांश सरकारें संघर्ष करती हैं।

जस्मीन शाह ने एक्स पर कहा कि पिछले हफ्ते बोस्टन में आयोजित हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में मेरी किताब 'द दिल्ली मॉडल' के अमेरिकी संस्करण का लॉन्च करना एक अद्भुत अनुभव था। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के फैकल्टी, छात्रों और अमेरिका से सम्मेलन में शामिल हुए लोगों ने किताब को बहुत गर्मजोशी से स्वीकार किया। किताब पर चर्चा करते हुए, मैंने इस बात पर बल दिया कि आम आदमी पार्टी का अनूठा शासन मॉडल, जो पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में मानव पूंजी विकास को प्राथमिकता देता है, वह भारत के विकसित राष्ट्र बनने की कुंजी है। मैंने यह भी कहा कि 'आप' के नेतृत्व में दिल्ली में एक दशक के अंदर स्वास्थ्य, शिक्षा और ऐसे कई क्षेत्रों में हुए बदलाव से पता चलता है कि भारत में सार्वजनिक सेवाओं के कुशल वितरण के लिए राज्य की क्षमता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति ही मुख्य बाधा है।

अब यह किताब अमेज़न यूएस पर उपलब्ध है a.co/d/cOkM65K वहीं, किताब के लॉन्च के मौके पर हार्वर्ड केनेडी स्कूल के प्रोफेसर गौतम नायर ने कहा कि दिल्ली मॉडल इस महत्वपूर्ण चुनौती पर केंद्रित है कि कैसे मानव पूंजी का निर्माण किया जाए। यह एक ऐसा काम है, जिसे भारत को विकसित देश बनाने के लिए सभी नेताओं को अपनी नीतियों का मुख्य हिस्सा बनाना चाहिए। इस किताब में ₹आप₹ सरकार का नजरिया पेश किया गया है। वहीं इसमें बहुत सा डेटा और विचार भी दिए गए हैं जो भारतीय जीवन में सरकार की भूमिका पर बड़े सवालों को उठाते हैं।

साइबरशाला: वरिष्ठ नागरिकों के लिए साइबर जागरूकता पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

डॉ. वैभव सरन (साइबरशाला)

प्रश्न 1: ऑनलाइन बैंकिंग करते समय किन सावधानियों का पालन करना चाहिए?

उत्तरः

केवल बैंक की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप का उपयोग करें।

सार्वजनिक वाई-फाई पर ऑनलाइन बैंकिंग न करें।

किसी से भी अपना पासवर्ड, OTP या अन्य संवेदनशील जानकारी साझा न करें।

बैंक से संबंधित किसी भी संदेहास्पद कॉल या ईमेल पर विश्वास न करें।

प्रश्न 2: फिशिंग (Phishing) क्या होता है और इससे कैसे बचें?

उत्तरः

फिशिंग एक प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी है, जिसमें नकली ईमेल, एसएमएस या वेबसाइट के माध्यम से आपकी व्यक्तिगत जानकारी चुराने का प्रयास किया जाता है। इससे बचने के लिए:

अनजान ईमेल या लिंक पर क्लिक न करें।

बैंक या किसी अन्य संस्था से आए संदिग्ध ईमेल की पुष्टि उनके आधिकारिक कस्टमर केयर से करें।

किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले उसकी प्रमाणिकता जाँच लें।

प्रश्न 3: क्या मजबूत पासवर्ड रखना आवश्यक है?

उत्तरः

हां, एक मजबूत पासवर्ड ऑनलाइन सुरक्षा का पहला कदम है।

पासवर्ड कम से कम 12 अक्षरों का होना चाहिए।

उसमें छोटे और बड़े अक्षर, संख्याएँ और विशेष अक्षर (@, #, $, आदि) शामिल करें।

हर खाते के लिए अलग-अलग पासवर्ड रखें और समय-समय पर पासवर्ड बदलें।

प्रश्न 4: अज्ञात नंबर से आए कॉल या संदेश से कैसे बचें?

उत्तरः

अज्ञात नंबर से आए कॉल या मैसेज में कोई लिंक न खोलें।

किसी भी अज्ञात व्यक्ति को व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी न दें।

यदि कोई व्यक्ति खुद को बैंक अधिकारी बताकर जानकारी माँगता है, तो तुरंत बैंक हेल्पलाइन पर इसकी जानकारी दें।

स्पैम कॉल और मैसेज ब्लॉक करने के लिए DND (Do Not Disturb) सेवा सक्रिय करें।

प्रश्न 5: सोशल मीडिया पर सुरक्षित रहने के लिए क्या करना चाहिए?

उत्तरः

अपनी प्रोफाइल को प्राइवेट रखें और केवल भरोसेमंद लोगों को ही मित्र सूची में जोड़ें।

किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें।

अपनी निजी जानकारी जैसे फोन नंबर, पता या बैंक डिटेल्स सार्वजनिक रूप से साझा न करें।

सोशल मीडिया पर मिलने वाली किसी भी अनजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने से पहले सावधानी बरतें।

CyberShala
Engage Educate Empower

प्रश्न 6: यदि साइबर धोखाधड़ी हो जाए तो क्या करें?

उत्तरः

तुरंत अपने बैंक को सूचित करें और अपने खाते को सुरक्षित करें।

साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करें।

राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (www.cybercrime.gov.in) पर अपनी शिकायत दर्ज करें।

नजदीकी पुलिस स्टेशन में जाकर FIR दर्ज कराएँ।

प्रश्न 7: क्या किसी भी अज्ञात ईमेल से आया अटैचमेंट डाउनलोड करना सुरक्षित है?

उत्तरः

नहीं, अज्ञात या संदिग्ध ईमेल से आया कोई भी अटैचमेंट डाउनलोड करना खतरनाक हो सकता है। इससे वायरस या मालवेयर आपके डिवाइस में आ सकता है, जो आपकी निजी जानकारी चुरा सकता है।

केवल विश्वसनीय स्रोतों से आए अटैचमेंट को ही खोलें।

अपने डिवाइस में एक अच्छा एंटीवायरस प्रोग्राम इंस्टॉल करें।

प्रश्न 8: सार्वजनिक वाई-फाई का उपयोग करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

उत्तरः

सार्वजनिक वाई-फाई का उपयोग बैंकिंग या अन्य संवेदनशील कार्यों के लिए न करें।

VPN (Virtual Private Network) का उपयोग करें।

हमेशा वेबसाइट के URL में 'https://' देखकर ही ब्राउज़िंग करें।

प्रश्न 9: मोबाइल पर फ्रॉड कॉल या मैसेज आने पर क्या करें?

उत्तरः

ऐसे कॉल को तुरंत काट दें और नंबर ब्लॉक कर दें।

यदि आपको कॉलर के बारे में संदेह हो, तो संबंधित संस्था की आधिकारिक वेबसाइट से उनके हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

साइबर क्राइम पोर्टल या हेल्पलाइन नंबर पर इसकी शिकायत करें।

प्रश्न 10: बच्चों और परिवार को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक कैसे करें?

उत्तरः

उन्हें सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के नियमों के बारे में बताएं।

ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग और साइबर बुलिंग के बारे में जानकारी दें।

मजबूत पासवर्ड और दो-स्तरीय प्रमाणीकरण (Two-Factor Authentication) का उपयोग करने की सलाह दें।

सोशल मीडिया पर क्या साझा करना सुरक्षित है और क्या नहीं, इस बारे में गाइड करें।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए साइबर सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। सही जानकारी और सतर्कता से आप साइबर धोखाधड़ी से बच सकते हैं। यदि आपको किसी प्रकार की साइबर सुरक्षा से जुड़ी समस्या आती है, तो तुरंत संबंधित हेल्पलाइन पर संपर्क करें।

खानपुर जे जे कॉलोनी में बंदरों के आतंक से जबरदस्त ख़ौफ़

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। खानपुर जे जे कॉलोनी में बंदरों के आतंक ने स्थानीय निवासियों का जीना दूभर कर दिया है। कुछ समय पहले सड़कों पर घूमने वाली आवारा गाय ने एक व्यक्ति को बूरी तरह से घायल कर दिया था। इस तरह की घटनाएं आम हो चली है, परंतु प्रशासन आवारा पशुओं एवं बंदरों के आतंक से क्षेत्र को निजात दिलाने के लिए कोई ठोस कदम उठाने को तैयार नहीं है। खानपुर जे जे कॉलोनी निवासी सतीश टांक ने बताया कि अभी कुछ दिन पहले उनकी बेटी के हाथ से बंदर ने पेप्सी का बोतल झपट लिया था। इसे एक संयोग कहा जाएगा की कुछ दिनों बाद जब श्री टांक की बेटी अपनी दादी के साथ ट्यूशन पढ़ने जा रही थी तो कई बंदरों ने इन दोनों पर हमला कर दिया। बच्ची को बचाने में उसकी दादी को बंदर ने काट लिया। वही बच्ची को भी बंदर ने नाखून मार दिए। सतीश टांक का कहना है कि आवारा पशुओं एवं बंदरों का आतंक और हमले इसके पहले भी कई बार हो चुके हैं, जिसकी जानकारी प्रशासन को भी दी गई। परंतु प्रशासन की तरफ से इस पर कोई कार्रवाई नहीं किया जा रहा है। श्री टांक ने दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम, डीएम एवं एसडीएम से मांग की है कि यह मामला सिर्फ किसी एक परिवार का नहीं पूरे कॉलोनी का है और यहां के लोग आवारा पशुओं एवं बंदरों के आतंक से खौफजादा है। इन आवारा पशुओं एवं बंदरों से आम लोगों को सुरक्षा दिलाने के लिए कोई ठोस कदम उठाया जाए ताकि कॉलोनी के लोग सुकून से कहीं आ जा सके। उन्होंने कहा कि यह कहानी सिर्फ खानपुर जे जे कॉलोनी कि ही नहीं है बल्कि पूरे अंबेडकर नगर और दिल्ली में लोग इस गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। इसलिए सरकार को कोई ठोस नीति बनाकर इन पर नियंत्रण के लिए आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

ग्रेटर नोएडा में बदलेगी ट्रैफिक व्यवस्था, 26 फरवरी तक बंद रहेगा एक्सपो मार्ट गोल चक्कर

ग्रेटर नोएडा में अगले कुछ दिनों तक नई ट्रैफिक व्यवस्था लागू रहेगी। ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट गोल चक्कर को 20 से 26 फरवरी तक अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। इंडिया एक्सपो मार्ट में होने वाले आयोजन के चलते यह फैसला लिया गया है। इस दौरान आने-जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से निकाला जाएगा।

ग्रेटर नोएडा। : एक्सपो मार्ट गोल चक्कर 20 से 26 फरवरी तक अस्थाई रूप से बंद रहेगा। इस ओर आने जाने वाले वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा। इंडिया एक्सपो मार्ट में होने वाले आयोजन के चलते यातायात पुलिस ने यह निर्णय लिया है।

इस कार्यक्रम में कितने लोग पहुंचेंगे?

इधर, आने वाले वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से निकाला जाएगा। यातायात व्यवस्था में बदलाव का कारण इंडिया एक्सपो मार्ट में एलेक्रामा का आयोजन होना है। जिसमें रोजाना 20 हजार लोगों के पहुंचने का अनुमान है।

इन वैकल्पिक रास्तों से आवाजाही करेंगे वाहन चालक

गलगोटिया कट से एक्सपोमार्ट गोलचक्कर होकर आइएफएस विला गोलचक्कर की ओर जाने वाले वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग एक्सपोमार्ट गोलचक्कर से बड़ा गोलचक्कर, शारदा गोलचक्कर होकर एलजी गोलचक्कर पहुंचेंगे। यहां से जगतफार्म या 130 मीटर रोड होकर आवाजाही कर सकेंगे।

कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोग यहां पार्क करेंगे वाहन

इंडिया एक्सपो मार्ट में होने वाले आयोजन में प्रतिभाग करने पहुंचने वाले लोगों के वाहनों के लिए पार्किंग व्यवस्था नासा गोलचक्कर के अदंर की गई है।

241 करोड़ में दुरुस्त होगी शहर की सफाई व्यवस्था

उधर, ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण 241 करोड रुपए खर्च करेगा। इसके लिए ई टेंडर जारी कर दिया गया है। 29 जनवरी को प्री क्वालिफिकेशन बिड हो चुकी है। होली से पहले कंपनी का चयन कर लिया जाएगा। चयनित कंपनी को पांच वर्ष तक यह कार्य करना होगा।

प्राधिकरण की ओर से इंटीग्रेटेड मैकेनिकल स्वीपिंग, मैन्युअल स्वीपिंग, घर-घर से कूड़ा एकत्रित करना और कूड़े को ले जाकर डंपिंग साइट पर छोड़ने के कार्य पर 241 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। शहर की साफ सफाई का मास्टर प्लान ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने तैयार कर लिया है। प्राधिकरण की ओर से जो टेंडर जारी किया गया है, उसमें उल्लेख है कि सफाई का कार्य मैनुअल के साथ ही मशीन से भी कराया जाएगा।

कूड़ा उठाने के लिए कितना लगेगा शुल्क?

साथ ही घर-घर से कूड़ा भी उठेगा। कुछ सप्ताह पूर्व प्राधिकरण ने एक आदेश जारी किया था कि घर-घर से कूड़ा उठाने के लिए अब पैसा लिया जाएगा। यह शुल्क मकान के आकार के हिसाब से निर्धारित किया था। अब घर-घर से कूड़ा उठाने का टेंडर भी जारी किया है, ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि लोगों के द्वारा विरोध करने के बाद कूड़ा उठाने का शुल्क अब नहीं लिया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने बताया की ग्रेटर नोएडा ईस्ट और ग्रेटर नोएडा वेस्ट दोनों क्षेत्र में कंपनी कार्य करेगी। टेंडर जारी कर दिया गया है अगले डेढ़ महीने में कंपनी का चयन कर लिया रहेगा।

नोएडा एयरपोर्ट पर साइबर अपराधी नहीं कर पाएंगे सेंधमारी, इन विदेशी कंपनियों को दी गई निगरानी की जिम्मेदारी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सूचना प्रौद्योगिकी (IT) नेटवर्क को साइबर हमले से सुरक्षित रखने और प्रौद्योगिकी संचालन की रियल टाइम निगरानी की जिम्मेदारी अमेरिकी आइटी कंपनी किंड्रिल करेगी। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यापल) के अधिकारियों ने कंपनी के साथ समझौता किया है। एयरपोर्ट पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) संचालित ओपन इंटीग्रेशन प्लेटफार्म सिस्टम से व्यवस्था परखी जाएगी और किसी भी संभावित तकनीकी समस्या का समाधान किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सूचना प्रौद्योगिकी (IT) नेटवर्क को साइबर हमले से सुरक्षित रखने और प्रौद्योगिकी संचालन की रियल टाइम निगरानी की जिम्मेदारी अमेरिकी आइटी कंपनी किंड्रिल करेगी। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यापल) के अधिकारियों ने कंपनी के साथ समझौता किया है। एयरपोर्ट पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) संचालित ओपन इंटीग्रेशन प्लेटफार्म सिस्टम से व्यवस्था परखी जाएगी और किसी भी संभावित तकनीकी समस्या का समाधान किया जाएगा।

किंड्रिल कंपनी बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट को भी प्रौद्योगिकी संचालन की सुविधा दे रही है। अप्रैल में एयरपोर्ट का संचालन शुरू हो जाएगा। ऐसे में मूलभूत सुविधाओं के साथ ही एयरपोर्ट की आइटी नेटवर्क को भी सुरक्षित रखने पर काम शुरू हो गया है। यहां जरूरी मूलभूत सुविधाओं को पूरा किया जा रहा है।

साफ्टवेयर आधारित तकनीक का उपयोग

उड़ान शुरू होने से पहले एयरपोर्ट पर विभिन्न प्रकार की साफ्टवेयर आधारित तकनीक का उपयोग किया जाएगा, इसमें तकनीकी तौर पर सुरक्षा व्यवस्था से लेकर फ्लाइट की आनलाइन देखरेख समेत कंप्यूटर सिस्टम के कार्य आदि जुड़े हुए हैं।

साइबर अपराधियों की सेंधमारी पर लगाम

किंड्रिल कंपनी तकनीकी कार्यों में साइबर अपराधियों की सेंधमारी व अन्य तकनीकी गड़बड़ी समेत अन्य संभावित समस्याओं के निदान के लिए विशेष आइटी नेटवर्क तैयार करेगी।

आइटी नेटवर्क के जरिये साइबर सुरक्षा

आइटी नेटवर्क के जरिये साइबर सुरक्षा सेवाओं को लागू किया जाएगा, जिसमें साइबर सुरक्षा घटनाओं का प्रथम प्रतिक्रिया प्रणाली, सुरक्षा नीति प्रशासन व सिस्टम हेल्थ मानिटरिंग शामिल होगी। किंड्रिल कंपनी 60 से अधिक देशों में तकनीकी सुविधा उपलब्ध करा रही है, जोकि आइटी प्रणालियों के डिजाइन, निर्माण व प्रबंधन करने में विशेषज्ञ है।

एयरपोर्ट से जुड़ी सड़कों का होगा चौड़ीकरण

उल्लेखनीय है कि पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और डोमेस्टिक एयरपोर्ट के आसपास की सभी लिंक सड़कों को चौड़ा कराने के लिए यमुना प्राधिकरण (yeida news) के सीईओ को पत्र भेजा गया है।

गजब है यार! हिमाचल-उत्तराखंड में रील बनाता रहा JE, लगातार मिलती रही सैलरी; ऐसे हुआ भंडाफोड़

नोएडा प्राधिकरण में भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। विद्युत यांत्रिकी खंड चार में तैनात अवर अभियंता अजय देशवाल पर आरोप है कि उन्होंने एक्वा मेट्रो लाइन के नीचे लो हाइट पोल में अंडरग्राउंड केबलिंग में घोटाला किया और ठेकेदार को काम से अधिक भुगतान किया। प्राधिकरण सीईओ ने उन्हें दो महीने पहले कार्यमुक्त कर दिया था लेकिन विद्युत यांत्रिकी खंड चार ने उन्हें नहीं हटाया और उनका वेतन जारी रखा।

नोएडा। सेक्टर-142 से 146 तक एक्वा मेट्रो लाइन के नीचे लो हाइट पोल में अंडरग्राउंड केबलिंग में घोटाला व ठेकेदार को काम से अधिक पांच प्रतिशत भुगतान करने के आरोप में विद्युत यांत्रिकी (ईएंडएम) खंड चार में तैनात अवर अभियंता अजय देशवाल (2.5 प्रतिशत पर संविदाकार) को प्राधिकरण सीईओ डॉ. लोकेश एम ने दो माह पहले कार्यमुक्त कर दिया था।

सीईओ के आदेश को दरकिनार कर विद्युत यांत्रिकी खंड चार ने अवर अभियंता को नहीं हटाया, उल्टा दो माह से लगातार उसका वेतन देना जारी रखा, जबकि अवर अभियंता अपने रिश्तेदार के साथ दो माह से हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड की वादियों में रील बना कर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहा था।

कैसे खुला मामला?

शहर के जागरूक नागरिक की जब इस पर नजर पड़ी तो शिकायत प्राधिकरण सीईओ को भेज दी। वहीं, विक्रम यादव ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर की। उन्होंने प्रकरण की गंभीरता को समझा और बृहस्पतिवार शिकायत सीधे अपने अधीनस्थ अधिकारियों के कोर ग्रुप पर डाल दी, परिणाम यह हुआ कि आनन-फानन में अजय देशवाल शुक्रवार को पौने नौ बजे ही कार्यालय पहुंच गए।

अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी, बखेड़ा यही से शुरू हो गया, क्योंकि ईएंडएम में उसकी तैनाती थी नहीं, उसका वेतन दो माह से जारी हो रहा था। यह सबसे बड़ा सवाल प्राधिकरण अधिकारियों सामने उभर कर आ गया है। सीईओ डॉ. लोकेश एम ने इस पूरे प्रकरण की जांच के आदेश जारी कर दिए है, दोषियों पर कार्रवाई की बात कही है।

विद्युत यांत्रिकी खंड चार व एनटीसी विभाग आपने-सामने, नहीं ली जिम्मेदारी

इस प्रकरण में जब मूल तैनाती स्वीकृत विभाग विद्युत यांत्रिकी खंड चार में जब वरिष्ठ प्रबंधक सतेंद्र कुमार से जानकारी ली तो परत दर परत खुलनी शुरू हो गई, उन्होंने बताया कि ईएंडएम से अजय देशवाल दो माह पहले ही कार्यमुक्त हो चुके है, लेकिन स्वीकृत विभाग होने के नाते उसका वेतन इसलिए जारी हो रहा, क्योंकि इंट्रीग्रेटेड सिक्योरिटी एवं ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइएसटीएमएस) में जेई पद पर तैनात है।

नोएडा ट्रैफिक सेल (एनटीसी) महाप्रबंधक एसपी सिंह ने उन्हें लगाया है। एनटीसी महाप्रबंधक एसपी से बताया कि उन्होंने न ही उसको तैनात किया और न ही हटाया है, पूर्व में वह विद्युत यांत्रिकी खंड दो की तरफ से यहां पर जेई का चार्ज संभाल र रहे थे, ठीक उसी प्रकार से आज भी देख रहे है। मेरे पास हटाने या कार्यमुक्त करने जैसे कोई आदेश या जानकारी नहीं आई है। जबकि विद्युत यांत्रिकी विभाग महाप्रबंधक आरपी सिंह ने बताया कि अजय देशवाल को ईएंडएम से खुद मैंने कार्यमुक्त कराया है।

इस प्रकार जेई तैनाती का हुआ खेल

सूत्रों के मुताबिक जेई अजय देशवाल ईएंडएम के तत्कालीन उपमहाप्रबंधक राजेश कुमार के सबसे चहेते रहे है। इसलिए उन्हें विद्युत यांत्रिकी खंड चार के साथ-साथ तीन का चार्ज भी थमाया गया।

नोएडा में नए ट्रैफिक नियम को लेकर सख्ती, सावधानी बरतें वरना कटेगा चालान

नोएडा में ट्रैफिक नियमों का पालन कराने को लेकर पुलिस अलर्ट हो गई है। अब लेन बदलने के लिए 100 मीटर पहले ही तैयारी करनी होगी। नियमों का उल्लंघन करने पर चालान कटेगा। इस संबंध में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को निर्देश जारी किए गए हैं। आइए जानते हैं किन रूट्स पर सावधानी बरतनी है और ये नया ट्रैफिक नियम क्या है?

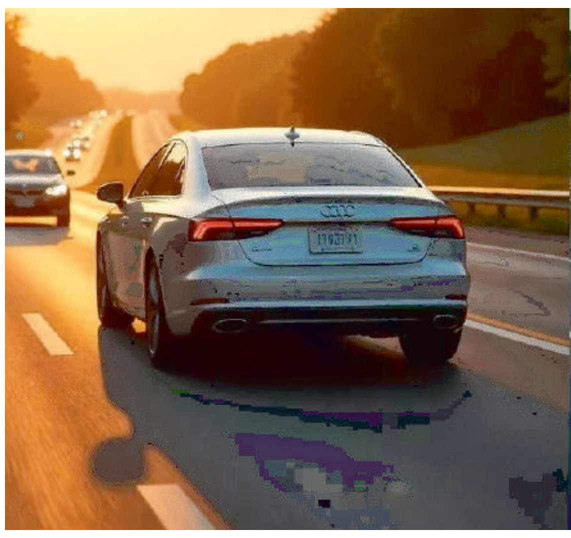

नोएडा। नोएडा शहर में बने तीन लेन चेंजिंग जोन में 100 मीटर पहले ही लाइन बदलना आदत में ढालना होगा। गलती से मोड़ या कट पर जाकर एकाएक लेन बदली तो जेब ढीली करनी पड़ सकती है। यातायात पुलिस ने तीनों लेन चेंजिंग जोन को लेकर सख्ती बरतनी शुरू कर दी है।

नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों का चालान किया जाएगा। डीसीपी यातायात लखन सिंह यादव ने बताया कि यह जोन चरखा से कालिंदी कुंज मोड़, जीआइपी महामाया की ओर जाने वाले कट और दलित प्रेरणा स्थल के पास बनाया गया है।

इन रूट पर बरतें सावधानी

चरखा से कालिंदी की तरफ मुड़ने वाले वाहन चालक 100 मीटर पहले अपनी लेन बदलेंगे।

इसी तरह से जीआइपी से महामाया जाने वाले बाएं चले, डीएनडी और चिल्ला की तरफ जाने वाले दाहिनी ओर चलेंगे।

दलित प्रेरणा गेट नंबर एक की तरफ से बर्ड फीडिंग प्वाइंट की तरफ जाने वाला रास्ता विभाजित होकर सेक्टर 18 की तरफ जाता है और सीधा रास्ता डीएनडी व चिल्ला जाता है।

तीनों रूट पर सभी वाहन चालकों को अपनी लेन 100 मीटर पहले बदलना अनिवार्य होगा।

अंतिम क्षण में एकाएक लेन बदलना नियमों के उल्लंघन दायरे में आएगा।

सेक्टर-18 से रजनीगंधा तक भेल की तरफ जाम खत्म करने को सड़क होगी चौड़ी

सेक्टर-18 से रजनीगंधा तक सीधे आने पर भेल के पास यातायात जाम रहता है। इस सड़क को चौड़ा किया जाए। साथ ही भेल के साथ बायी ओर ट्रैफिक मूवमेंट फास्ट करने के लिए स्लिप रोड तैयार की जाएगी।

इसके लिए यहां पर बने दो पेड़ को वन विभाग से अनुमति लेकर शिफ्ट किया जाएगा। साथ ही फुटपाथ पर बने दो सार्वजनिक शौचालय को हटाया जाएगा। यह निर्देश नोएडा प्राधिकरण सीईओ डॉ. लोकेश एम ने शुक्रवार को रजनीगंधा चौक का निरीक्षण के दौरान दिया।

बता दें कि पीक आवर में इस सड़क पर यातायात का भारी दबाव रहता है, जिससे यहां प्रतिदिन जाम लगता है। डीएनडी की तरफ जाने वाले लोगों को दिक्कत होती है। इसलिए इसे चौड़ा करने के लिए कहा गया।ॉ

निरीक्षण में महाप्रबंधक आरपी सिंह, उपमहाप्रबधक सिविल विजय कुमार रावल मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान देखा गया कि बीच रोड पर यूरिनल और टायलेट को फुटपाथ पर तिरक्षा बनाया गया है, जबकि विज्ञापन का पोल सीधा लगा हुआ था। यह उल्टा काम था, क्योंकि विज्ञापन का पोल टेढ़ा ऊपर की ओर लगाया जाना चाहिए था, शौचालय को फुटपाथ पर सीधा बनाना था।

यह काम विज्ञापन कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया, मौके पर निर्मित टायलेट पूरी तरह से यूज लेस दिखा। जबकि पहले से ही यहां एक टायलेट का निर्माण हो चुका था। ऐसे में यूरिनल को कही और शिफ्ट करने के लिए निर्देश भी दिया गया।

वहीं रजनीगंधा अंडरपास के पास सेक्टर-16 की तरफ बायी ओर बने फुटपाथ सुंदरीकरण करने के लिए कहा गया। साथ ही सेक्टर-15 व सेक्टर-16 मेट्रो स्टेशन के आस-पास के क्षेत्र का सुंदरीकरण कार्य सीएसआर फंड से कराने का निर्देश संबंधित अधिकारी को दिया गया।

डॉक्टर बनने के लिए क्यों देश छोड़ रहे भारतीय छात्र? (क्या शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर है या कुछ और?)

घरेलू मेडिकल संस्थानों में उपलब्ध कुछ सीटों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा और इस तथ्य के कारण कि कुछ देश बहुत कम ट्यूशन फीस देते हैं, भारतीय छात्र अक्सर विदेश में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करना चुनते हैं। इससे उन्हें अधिक किफायती लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। अन्य आकर्षक कारकों में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पद्धतियों से परिचित होना, निजी कॉलेजों में उच्च ट्यूशन फीस, अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पद्धतियों से परिचित होना और कुछ देशों में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा शामिल हैं। इसलिए, इन छात्रों का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करना और भारत वापस आना है। (भले ही कुछ लोग विदेश में बसना चाहते हों, लेकिन यह प्रवृत्ति भारत में चिकित्सा प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों से बहुत अलग नहीं हो सकती है) । इसलिए, विदेशी चिकित्सा-स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने की उनकी क्षमता मुख्य चिंता है। क्या सरकार इसे समाप्त कर देगी और इसकी जगह सभी छात्रों के लिए एक परीक्षा लाएगी, चाहे डिग्री भारत से हो या विदेश से? मुख्य मुद्दा यह है कि क्या भारत में पर्याप्त योग्य चिकित्सा पेशेवर हैं या क्या इसका उद्देश्य लोगों को विदेशों में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने से रोकना है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत छोड़ने वाले मेडिकल छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है, हर साल 30, 000 से अधिक छात्र विदेश जाते हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आंकड़ों के अनुसार, केवल 16 प्रतिशत विदेशी मेडिकल स्नातक फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन स्क्रीनिंग परीक्षा पास करते हैं। नीट प्रतियोगिता, उच्च ट्यूशन और घरेलू सीटों की कमी के कारण, भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली त्रस्त है, जिसके कारण विदेशी शिक्षा पर निर्भरता बढ़ रही है। कम ट्यूशन लागत, सुव्यवस्थित प्रवेश प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त डिग्री के साथ, कई देश यात्रा के लिए पसंदीदा गंतव्य हैं। इन कारकों के कारण, छात्रों की बढ़ती संख्या भारत के बाहर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करके अंतर को पाट रही है, जिससे यह गारंटी मिलती है कि वे अभी भी डॉक्टर बनने की अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकते हैं। आसान आवेदन और प्रवेश प्रक्रिया के कारण भारतीय छात्र अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल कोर्स को प्राथमिकता देते हैं। छात्र अंग्रेज़ी या कोई विदेशी भाषा पढ़ सकते हैं। हर साल ट्यूशन पर लगभग 200, 000 से 300, 000 रुपये ख़र्च होते हैं। कोई कैपिटेशन शुल्क की आवश्यकता नहीं है। कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता मिली है। छात्रों को एक बहुसांस्कृतिक सेटिंग से अवगत कराया जाता है जो उनके जीवन के अनुभवों और ज्ञान को व्यापक बनाता है। अच्छी शैक्षिक गुणवत्ता के साथ इनकी डिग्री अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार मान्यता प्राप्त है। घरेलू सीटों के लिए तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय मेडिकल छात्र तेजी से देश छोड़ रहे हैं। भारत में छात्र भयंकर प्रतिस्पर्धा के कारण विदेशों में विकल्प तलाशते हैं, अक्सर उन देशों में जहाँ चिकित्सा नियम ढीले होते हैं।

चूँकि भारत में हर 22 आवेदकों के लिए केवल एक मेडिकल सीट है, इसलिए 20, 000 से अधिक छात्र हर साल चीन, रूस और यूक्रेन जैसे देशों में विदेश में अध्ययन करने के लिए मजबूर हैं। लेकिन कई अंतरराष्ट्रीय मेडिकल स्कूलों में पाठ्यक्रम की असमान गुणवत्ता से छात्रों की रोजगार क्षमता और योग्यता प्रभावित होती है। भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली तक विदेशी स्नातकों की पहुँच में देरी होती है क्योंकि उन्हें फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन पास करना होता है और इंटर्नशिप पूरी करनी होती है। बीते साल फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन लेने वाले 32, 000 भारतीय छात्रों में से केवल 4, 000 ही योग्य थे। इन छात्रों और परिवारों के लिए, उच्च ट्यूशन लागत, अस्थिर अर्थव्यवस्थाएँ और कुछ देशों में सुरक्षा सम्बंधी खतरे बोझ हैं। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण 24, 000 से अधिक भारतीय मेडिकल छात्रों को विस्थापित होना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय नुक़सान और अनिश्चित शैक्षणिक भविष्य हुआ। भारत में डॉक्टरों की कमी बदतर होती जा रही है क्योंकि अधिक विदेशी प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवर वहाँ बेहतर अवसरों के कारण विदेशों में अभ्यास करना पसंद करते हैं। चिकित्सा शिक्षा की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पहला परिवर्तन चिकित्सा सीटों की संख्या का विस्तार करना है। 2025 में 10, 000 और मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी, भारत में 75, 000 अतिरिक्त सीटों का पांच साल का लक्ष्य है। वंचित क्षेत्रों में शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने के लिए किफायती मेडिकल कॉलेज स्थापित करने होंगे। नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने और टियर-2 और टियर-3 शहरों में एम्स के विस्तार से चिकित्सा शिक्षा तक पहुँच बढ़ी है।

उच्च गुणवत्ता वाले निर्देश और उचित लागत को बनाए रखते हुए निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। कैरिबियन और मणिपाल कॉलेज ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (नेपाल) जैसे संस्थान प्रदर्शित करते हैं कि भारतीय संस्थान पब्लिक, प्राइवेट, पार्टनरशिप मॉडल के तहत घरेलू स्तर पर विकसित हो सकते हैं। अधिक खुली प्रवेश प्रक्रियाओं और कई प्रवेश मार्गों को लागू करके नीट पर निर्भरता कम करना ज़रूरी है। चयन मानदंडों को व्यापक बनाने के प्रयास में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा ब्रिज कोर्स और वैकल्पिक प्रवेश प्रणाली का सुझाव दिया गया है। भारतीय छात्रों की सेवा के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय परिसरों को बढ़ावा देना होगा। आईआईटी और मणिपाल समूह के अंतरराष्ट्रीय विस्तार से एक ऐसा मॉडल सुझाया गया है, जिसमें भारतीय मेडिकल स्कूल भारतीय नियमों के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं।

चिकित्सा शिक्षा और इंटर्नशिप को मज़बूत करने के लिए, हमें ऐसे सुधारों को लागू करना चाहिए जो उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा के प्रावधान की गारंटी देते हैं। भारतीय चिकित्सा शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप लाना और ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य इंटर्नशिप की आवश्यकता है। रोगी देखभाल और व्यावहारिक कौशल पर ज़ोर देने के लिए, 2019 में योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई) पाठ्यक्रम लागू किया गया था। अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, नैदानिक अनुभव और चिकित्सा संकाय प्रशिक्षण में पैसा लगाना ज़रूरी है। एम्स और एनएमसी सुधारों द्वारा मेडिकल कॉलेजों के लिए आधुनिक सिमुलेशन लैब और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है। एकरूपता की गारंटी के लिए सरकारी और निजी मेडिकल स्कूलों का नियमित मूल्यांकन ज़रूरी है।

एनएमसी द्वारा प्रशासित नेशनल एग्ज़िट टेस्ट (एनईएक्सटी) , भारत और विदेशों दोनों से मेडिकल स्नातकों के लिए लाइसेंसिंग परीक्षाओं को मानकीकृत करने का प्रयास करता है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बेहतर कामकाजी परिस्थितियाँ, प्रोत्साहन और अधिक वेतन प्रदान करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) वंचित क्षेत्रों में एम्स जैसे संस्थान स्थापित करना चाहती है। प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना अति आवश्यक है। ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन पहल की बदौलत दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार हुआ है, जिसने 14 करोड़ से अधिक परामर्शों को सक्षम किया है। मेडिकल सीटें बढ़ाने, निजी कॉलेज ट्यूशन को नियंत्रित करने और एफएमजी एकीकरण को मज़बूत करने की तीन-आयामी रणनीति आवश्यक है। संकाय मानकों और मेडिकल सीट वितरण के सम्बंध में एनएमसी के 2023 के सुधार सकारात्मक क़दम हैं। इसके अलावा, ग्रामीण सेवा को प्रोत्साहित करना और सार्वजनिक-निजी भागीदारी बनाना भारत की स्वतंत्रता की गारंटी देते हुए गुणवत्ता और पहुँच में सुधार कर सकता है। भारत से चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के लिए इस प्रवास के बारे में मेरी कोई बुरी नहीं है। भारत में, चिकित्सा शिक्षा बेहद महंगी है। प्रवेश की बाधाएँ तर्कहीन हैं। मुझे ऐसा लगता है कि बहुत से और छात्र डॉक्टर बनने में सक्षम हैं। भारत में और अधिक डॉक्टरों की सख्त ज़रूरत है, खासकर उन लोगों की जो देश के ग्रामीण इलाकों में काम करने के इच्छुक हैं। स्वास्थ्य सेवा में इन देशों की उपलब्धियों को देखते हुए, मध्य एशिया में चिकित्सा शिक्षा खराब नहीं है।

यदि वे भारतीय छात्रों के नामांकन का उपयोग क्षमता उपयोग बढ़ाने और अतिरिक्त आय उत्पन्न करने के लिए करते हैं, तो वहाँ के कॉलेज अधिक प्रभावी और स्थायी रूप से कार्य करेंगे। अगर इससे भारतीय छात्रों के एक समूह को डॉक्टर बनने में मदद मिलती है तो यह दोनों पक्षों के लिए जीत वाली स्थिति है। असफलता की भी संभावना है। कुछ लोग भारत में काम करने की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। कुछ उप-एजेंट या निजी ठेकेदार अधिक छात्रों को आकर्षित करने के प्रयास में कुछ प्रासंगिक जानकारी को रोक सकते हैं। तब आपातकालीन स्थितियाँ हो सकती हैं, जैसे कि चीन में कोविड-19 महामारी या यूक्रेन में युद्ध। इनके परिणामस्वरूप छात्रों के एक समूह को महत्त्वपूर्ण नुक़सान उठाना पड़ सकता है। भारत सरकार की नीति आपातकालीन स्थितियों में भी छात्रों की मदद करने में बहुत अच्छी नहीं है। विदेशों में चिकित्सा शिक्षा के सम्बंध में भारत सरकार की एकमात्र कार्यवाही भारत में अभ्यास के लिए योग्यता परीक्षा को और अधिक कठोर बनाना है। यह सवाल विवादास्पद है कि ऐसी परीक्षा कितनी कठिन होनी चाहिए। मुख्य मुद्दा यह है कि क्या भारत में पर्याप्त योग्य चिकित्सा पेशेवर हैं या क्या इसका उद्देश्य लोगों को विदेशों में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने से रोकना है।

टोयोटा कर रही 7 सीटर MPV को EV में लाने की तैयारी, डीजल वर्जन के मुकाबले कितनी होगी अलग, क्या भारत में होगी लॉन्च?

परिवहन विशेष न्यूज

टोयोटा इनोवो क्रिस्टा ईवी जापान की प्रमुख वाहन निर्माता Toyota की ओर से भारत सहित कई देशों में बेहतरीन तकनीक और फीचर्स के साथ वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी 7 Seater MPV सेगमेंट में डीजल इंजन के साथ आने वाली गाड़ी को EV के तौर पर लाने की तैयारी कर रही है। इसमें क्या खासियत होंगी और क्या इसे भारत लाया जाएगा या नहीं। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। जापान की प्रमुख वाहन निर्माता Toyota की ओर से कई देशों में वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी ने फरवरी 2025 में इंडोनेशिया मोटर शो के दौरान अपनी 7 Seater MPV के EV वर्जन को शोकेस किया है। ICE वर्जन के मुकाबले इसमें किस तरह के बदलाव किए गए हैं। क्या Toyota Innova Crysta EV को भारत में लाया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Toyota Plan for a Innova EV

टोयोटा की ओर से भारत में 7 Seater MPV के तौर पर Innova Crysta को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। कंपनी की ओर से इस गाड़ी को फिलहाल डीजल इंजन के साथ लाया जाता है। लेकिन जल्द ही इस गाड़ी को EV वर्जन में भी लाने की तैयारी की जा रही है। कंपनी की ओर से इंडोनेशिया में चल रहे मोटर शो के दौरान इसके कॉन्सेप्ट वर्जन को पेश किया है।

इंडोनेशिया मोटर शो में जिस इनोवा क्रिस्टा के BEV कॉन्सेप्ट वर्जन को शोकेस किया गया है। उसका डिजाइन भारत में ऑफर की जाने वाली Innova Crysta Diesel की तरह ही है। लेकिन EV की फ्रंट ग्रिल को बंद रखा गया है और ग्राफिक्स के साथ लुक को अलग दिखाने की कोशिश की गई है। गाड़ी में कनेक्टिड एलईडी डीआरएल के साथ ही लाइट्स में मामूली बदलाव किए गए हैं। एमपीवी में ब्लैक रूफ और पिलर्स के साथ ही ब्लैक क्लैडिंग को दिया गया है।

कितनी दमदार बैटरी और मोटर

रिपोर्ट्स के मुताबिक टोयोटा की ओर से इसमें 59.3 kWh की क्षमता की बैटरी को दिया जा सकता है। इसके अलावा इसमें लगी मोटर से इसे 134 किलोवाट की पावर और 700 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिल सकता है। गाड़ी में 16 इंच अलॉय व्हील्स को दिया गया है। फिलहाल इसकी रेंज, चार्जिंग में लगने वाले समय के अलावा यह जानकारी भी सामने नहीं आई है कि क्या इसे सिर्फ एक ही बैटरी पैक के साथ लाया जाएगा या फिर भविष्य में इसके प्रोडक्शन वर्जन में ज्यादा बैटरी पैक के विकल्प भी लाए जा सकते हैं।

Toyota Innova Crysta BEV को अभी सिर्फ एक कॉन्सेप्ट वर्जन के तौर पर इंडोनेशिया मोटर शो में शोकेस किया गया है। अभी इस गाड़ी को कॉन्सेप्ट से प्रोडक्शन तक आने में काफी समय लग सकता है। वहीं भारत में इसे लाया जाएगा या नहीं इस पर किसी भी तरह की जानकारी कंपनी की ओर से नहीं दी गई है। लेकिन जिस तरह भारत में ईवी की बिक्री बढ़ रही है, ऐसे में टोयोटा की ओर से भविष्य में इसे पेश किया जा सकता है।

किआ ने दिखाया EV4 का एक्सटीरियर, EV Day पर कंपनी करेगी सेडान और हैचबैक वेरिएंट्स को पेश

परिवहन विशेष न्यूज

Kia EV4 Unveil साउथ कोरियाई वाहन निर्माता किआ की ओर से भारत सहित दुनियाभर के कई देशों में Cars And SUVs को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। कंपनी की ओर से EV day का आयोजन करने की तैयारी की जा रही है। जिसमें कई कारों के साथ ही Kia EV4 को भी पेश किया जाएगा। इस गाड़ी में क्या खासियत दी जाएंगी। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Kia की ओर से भारतीय बाजार में कई बेहतरीन कारों और एसयूवी को ऑफर किया जाता है। भारत के साथ ही दुनिया के कई देशों में भी कंपनी अपनी कारों की बिक्री करती है। Kia EV Day पर कंपनी की ओर से दो और कारों को Sedan and Hatchback सेगमेंट में पेश किया जाएगा। यह कौन सी कार है और इसमें किस तरह की खासियत दी जाएंगी। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Kia EV4 होगी पेश

किआ की ओर से Kia EV Day के मौके पर कई कारों को पेश करने की तैयारी की जा रही है। इनमें Kia EV4 भी शामिल होगी। इस आयोजन से पहले कंपनी की ओर से EV4 के एक्सटीरियर को सार्वजनिक कर दिया गया है। किआ की ओर से EV Day का आयोजन स्पेन में 24 फरवरी को किया जा रहा है।

किस बॉडी टाइप में आएगी EV4

किआ की ओर से जानकारी दी गई है कि वह अपनी EV4 को दो बॉडी टाइप में पेश करेगी। इसमें सेडान और हैचबैक सेगमेंट जैसे बॉडी टाइप शामिल हैं।

Kia EV4 पर अधिकारियों ने क्या कहा

किआ ग्लोबल में डिजाइन के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेजिडेंट करीम हबीब ने बताया कि Kia EV4 मॉडर्न और व्यवहारिकता को ध्यान में रखकर बनाई गई है। यह गाड़ी लोगों के बदलते हुए लाइफस्टाइल और जरूरतों को पूरा करेगी।

कैसा है डिजाइन

कंपनी की ओर से अभी इस गाड़ी के एक्सटीरियर को ही सार्वजनिक किया गया है। जारी की गई तस्वीरों के मुताबिक Kia EV4 में काफी अलग डिजाइन को रखा गया है। इसमें तकनीक के साथ ही लुक को भी काफी बेहतरीन तरीके से जोड़ा गया है। कंपनी ने हैचबैक और सेडान दोनों ही कारों को लंबी दूरी की यात्रा के दौरान ज्यादा आराम देने के लिए डिजाइन किया है।

एक्सटीरियर में कैसे हैं फीचर्स

किआ की ओर से दोनों ही कारों में टाइगर नोज़ ग्रिल को दिया है। इसके साथ ही वर्टिकल हेडलाइट्स और स्टार मैप सिग्नेचर फ्रंट डिजाइन इन दोनों कारों में भी दिया गया है। इसके साथ ही 19 इंच अलॉय व्हील्स, चौड़ी टेल लाइट्स के साथ ही गाड़ी के एयरोडाइनैमिक्स को भी काफी बेहतर बनाने की कोशिश की गई है।

भारत आएगी EV4?

कंपनी की ओर से अभी EV4 को सिर्फ ग्लोबल स्तर पर ही पेश किया जाएगा। तभी इनके इंटीरियर से लेकर अन्य जानकारी को सार्वजनिक किया जाएगा। भारत में इन कारों को लाया जाएगा या नहीं इस बारे में कोई औपचारिक जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि कंपनी की ओर से Kia EV4 के साथ ही अन्य इलेक्ट्रिक कारों को साल 2026 या 2027 तक भारत में भी लाया जा सकता है।

कावासाकी निंजा की दो दमदार बाइक्स पर फरवरी 2025 में मिल रहा तगड़ा डिस्काउंट

परिवहन विशेष न्यूज

कावासाकी निंजा डिस्काउंट जापानी दो पहिया वाहन निर्माता Kawasaki की ओर से भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में बाइक्स की बिक्री की जाती है। अगर आप कंपनी की किसी बाइक्स को खरीदने का मन इस महीने में बना रहे हैं तो कावासाकी की ओर से किन बाइक्स पर February 2025 में तगड़ा डिस्काउंट दिया जा रहा है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में सामान्य बाइक्स के साथ ही प्रीमियम सेगमेंट की बाइक्स को भी काफी पसंद किया जाता है। अगर आप इस महीने जापानी दो पहिया निर्माता Kawasaki की बाइक्स को खरीदने का मन बना रहे हैं तो किस बाइक पर कंपनी की ओर से February 2025 के दौरान कितना डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Kawasaki की बाइक खरीदने का बेहतरीन मौका

कावासाकी की ओर से भारतीय बाजार में एंट्री लेवल बाइक के तौर पर 300 सीसी सेगमेंट में Kawasaki Ninja 300 और 650 सीसी स्पोर्ट्स बाइक सेगमेंट में Kawasaki Ninja 650 को ऑफर किया जाता है। कंपनी की इन दोनों बाइक्स में से किसी एक को अगर February 2025 में खरीदना है तो आपको हजारों रुपये की बचत का मौका भी मिल सकता है।

Ninja 300 पर कितना मिलेगा डिस्काउंट

जानकारी के मुताबिक कावासाकी की ओर से Kawasaki Ninja 300 बाइक को इस महीने खरीदा जाता है तो इस पर 30 हजार रुपये तक के डिस्काउंट ऑफर्स दिए जा रहे हैं। इस महीने इस बाइक को घर लाने पर 30 हजार रुपये का डिस्काउंट कूपन दिया जा रहा है जिसे एक्स शोरूम कीमत में कम करवाया जा सकता है।

Ninja 650 पर क्या है ऑफर

कंपनी की ओर से 300 सीसी की Ninja 300 बाइक के अलावा 650 सीसी स्पोर्ट्स बाइक सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली Kawasaki Ninja 650 पर भी इस महीने में डिस्काउंट दिया जा रहा है। February 2025 में इस स्पोर्ट्स बाइक को खरीदने पर भी 45 हजार रुपये का डिस्काउंट कूपन दिया जा रहा है। जिसे एक्स शोरूम कीमत के साथ एडजस्ट करवाया जा सकता है।

कावासाकी की बाइक्स की कितनी है कीमत

कावासाकी की ओर से Ninja 300 को 3.43 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर ऑफर किया जाता है। वहीं Kawasaki Ninja 650 को 7.16 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है।

किस कंपनी की किस बाइक से है मुकाबला

कावासाकी की निंजा 300 को 300 सीसी सेगमेंट में लाया जाता है। इस सेगमेंट में इसका सीधा मुकाबला KTM RC 390, TVS Apache RR310, Suzuki Gixxer 250 जैसी बाइक्स के साथ होता है। वहीं Kawasaki Ninja 650 बाइक को भारत में Triumph Daytona 660, Aprilia RS 660 जैसी बाइक्स से कड़ी चुनौती मिलती है।

2025 रेनो काइगर और ट्राइबर हुई भारत में लॉन्च, जानें कितनी है कीमत और कैसे हैं फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

फ्रांस की वाहन निर्माता रेनो की ओर से भारतीय बाजार में हैचबैक से लेकर एसयूवी सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी ने हाल में ही अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी और बजट एमपीवी के 2025 वर्जन को लॉन्च किया है। इनमें किस तरह के फीचर्स दिए गए हैं। किस कीमत पर इन दोनों कारों को खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में फ्रांस की वाहन निर्माता Renault की ओर से तीन कारों को ऑफर किया जाता है। इनमें से दो कारों को कंपनी की ओर से अपडेट किया गया है। Renault की ओर से किन कारों को अपडेट किया गया है। किस तरह के फीचर्स को इनमें दिया गया है। किस कीमत पर दोनों कारों को खरीदा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Renault की दो कारें हुई अपडेट

रेनो की ओर से बजट एमपीवी के तौर पर ऑफर की जाने वाली Renault Triber और Sub Four Meter SUV के तौर पर लाई जाने वाली Renault Kiger को अपडेट कर दिया है। दोनों ही कारों के 2025 वर्जन को फरवरी 2025 में लॉन्च कर दिया गया है।

कैसे हैं फीचर्स

2025 Renault Kiger और Triber में कंपनी की ओर से कुछ फीचर्स को स्टैंडर्ड तौर पर शामिल किया है। जिनमें चारों पावर विंडो, रिमोट सेंट्रल लॉक शामिल हैं। इनके साथ ही RXL वेरिएंट से अब आठ इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, एपल कार प्ले, एंड्राइड ऑटो, रियर व्यू कैमरा और स्टेयरिंग माउंटिड कंट्रोल को भी ऑफर किया गया है। RXZ वेरिएंट में स्मार्ट कार्ड एक्सेस और रिमोट इंजन स्टार्ट जैसे फीचर को भी जोड़ा गया है। वहीं RXT वेरिएंट में 15 इंच के फ्लेक्स व्हील दिए गए हैं।

एसयूवी में मिलेगा ट्रांसमिशन का विकल्प

रेनो की ओर से काइगर एसयूवी में RXT (O) वेरिएंट में टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ सीवीटी ट्रांसमिशन का विकल्प भी दिया है। इसके साथ ही अब कंपनी की ओर से ऑफर की जाने वाली तीनों कारों को E-20 के अनुकूल बनाया गया है।

कितनी है कीमत

रेनो की ओर से काइगर एसयूवी को 6.10 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर ऑफर किया जा रहा है। वहीं इसके टॉप वेरिएंट को 10.99 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है।

Renault Triber के बेस वेरिएंट RXE की एक्स शोरूम कीमत 6.10 लाख रुपये रखी गई है। इसके टॉप वेरिएंट RXZ को 8.74 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर ऑफर किया जा रहा है।

किनसे है मुकाबला

Renault Kiger को Sub Four Meter SUV के तौर पर लाया जाता है। इसका सीधा मुकाबला Nissan Magnite, Tata Punch, Maruti Breeza, Hyundai Venue, Kia Sonet, Kia Syros, Mahindra XUV 3XO जैसी एसयूवी के साथ होता है।

वहीं Renault Triber को देश की सबसे सस्ती 7 Seater MPV के तौर पर पेश किया जाता है। इस गाड़ी का सीधा मुकाबला Maruti Ertiga, Kia Carens जैसी एमपीवी के साथ होता है।

एप्रिला ट्यूनो 457 बाइक को जॉन अब्राहम ने किया लॉन्च, जानें कितना दमदार है इंजन और कैसे हैं फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

Aprilia Tuono 457 Bike Launched बॉलीवुड के स्टार John Abraham ने इटली की दो पहिया निर्माता Aprilia की नई बाइक Tuono 457 को भारत में लॉन्च कर दिया है। कंपनी की ओर से इस बाइक को किस कीमत पर लाया गया है। किस तरह के फीचर्स को दिया गया है। कितना दमदार इंजन बाइक में दिया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में सामान्य बाइक्स के साथ ही दमदार इंजन वाली सुपर बाइक्स को पसंद किया जाता है। 17 February 2025 को कंपनी की ओर से नई नेकेड बाइक के तौर पर Aprilia Tuono 457 को लॉन्च किया गया है। इसमें किस तरह के फीचर्स और इंजन को दिया गया है। किस कीमत पर इसे लॉन्च किया गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

लॉन्च हुई Aprilia Tuono 457 बाइक

अप्रिलिया की ओर से भारतीय बाजार में 400 सीसी से बड़े सेगमेंट में Aprilia Tuono 457 को लॉन्च कर दिया गया है। इस बाइक को RS 457 के नेकेड वर्जन के तौर पर लाया गया है। बॉलीवुड स्टार John Abraham ने अप्रिलिया की सबसे नई बाइक को भारत में लॉन्च किया है। खास बात यह है कि जॉन अब्राहम अप्रिलिया के ब्रॉन्ड अंबेसडर भी हैं।

कितना दमदार इंजन

अप्रिलिया की ओर से Tuono 457 बाइक में 457 सीसी का पैरलल ट्विन DOHC 4V लिक्विड कूल्ड इंजन दिया गया है। जिससे बाइक को 47.6 बीएचपी की पावर और 43.5 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। बाइक में यूएसडी टेलीस्कोपिक फ्रंट फॉर्क और रियर में मोनोशॉक सस्पेंशन को दिया गया है।

कैसे हैं फीचर्स

कंपनी की ओर से इस बाइक में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया गया है। इसमें फुल एलईडी लाइट्स, टू-चैनल एबीएस के साथ ड्यूल मैपिंग, 17 इंच अलॉय व्हील्स, राइड बाय वायर सिस्टम, राइडिंग के लिए ईको, स्पोर्ट्स और रेन जैसे तीन मोड्स, ट्रैक्शन कंट्रोल, क्विक शिफ्टर, पांच इंच टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और दोनों पहियों में डिस्क ब्रेक जैसे फीचर्स को दिया गया है।

कितनी है कीमत

Aprilia Tuono 457 बाइक को 3.95 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया है। बाइक को खरीदने के लिए ऑनलाइन या डीलरशिप के जरिए 10 हजार रुपये में बुकिंग करवाई जा सकती है। यह कीमत महाराष्ट्र के लिए हैं। बाइक को कुल दो रंगों के विकल्प में लाया गया है। जिसमें PIRANHA RED AND PUMA GREY शामिल हैं। कंपनी के मुताबिक बाइक की डिलीवरी को March 2025 से शुरू किया जाएगा।

किनसे है मुकाबला

अप्रिलिया की ओर से Tuono 457 को 450 सीसी के स्पोर्ट्स बाइक सेगमेंट में लाया गया है। इस सेगमेंट में Aprilia Tuono 457 बाइक का सीधा मुकाबला KTM Duke 390, Triumph Speed 400, Harley Davidson X440, Hero Mavrick 440 जैसी बाइक्स से होगा।

शादी की भेंट चढ़ता प्रतिभावान महिलाओं का कैरियर

विजय गर्ग

आज शादी के बाद लड़कियों से पहले जैसी अपेक्षाएं नहीं रखी जातीं लेकिन कुछ महिलाएं आज भी ससुराल में जद्दोजहद करती हुई पाई जाती हैं। शादी के बाद लड़कियों पर जिम्मेदारी होती है कि वे सास-ससुर की सेवा करें। उनको खुश रखें। रिश्तेदारों के साथ निभाने की जिम्मेदारी भी उन पर ही होती है। इससे उनका काम कई गुना बढ़ जाता है। जो लड़कियां शादी के बाद नौकरी करती भी हैं तो उनको पहले से तीन गुना काम करना पड़ता है। उस समय वो जवान होती हैं, उनका शरीर अच्छे से काम करता है इसलिए हर जिम्मेदारी निभाती रहती हैं लेकिन चालीस की उम्र के बाद उनको कई शारीरिक परेशानियां होने लगती हैं। परिवार का साथ नहीं मिलता तो पचास की उम्र तक आते-आते उनको अपने कैरियर का त्याग करना पड़ता है क्योंकि अपनी शारीरिक परेशानियों की वजह से वो तनाव में रहने लगती हैं। जिसका असर ऑफिस में उनके काम पर पड़ने लगता है। जितना काम वो पहले कर रही होती हैं, उतना नहीं कर पातीं। जाहिर है, इससे कंपनी को परेशानी होगी ही । बार-बार छुट्टियां करने से भी कंपनी को उनसे दिक्कत होने लगती है। इन दिक्कतों के चलते कुछ लड़कियों को अपनी नौकरी छोड़नी पड़ती है। डिटेक्टिव गुरु राहुल राय गुप्ता कहते हैं, हाल ही में हमने अतुल सुभाष का केस देखा। इंटरनेट पर पत्नी पीड़ितों की बाढ़ आ गई। हर कोई महिलाओं को दोषी ठहरा रहा है। मैंने भी इस पर कई बार बात की है और तीखी प्रतिक्रिया दी है लेकिन मैं अपने आसपास कई ऐसी महिलाएं भी देखता हूं, जो बहुत प्रतिभाशाली हैं, बहुत कुछ करने की ताकत रखती हैं लेकिन शादी के बाद उनकी वो ताकत कहीं खो जाती है। पूरे घर परिवार की जिम्मेदारी उन पर आ जाती है। हमने कभी नहीं सुना कि शादी के बाद किसी लड़के को अपने कैरियर का त्याग करना पड़ा। आजकल एक-दो मिसाल ऐसी सुनने को जरूर मिलती है कि पत्नी के साथ रहने के लिए पति ने अपना ट्रांसफर करवा लिया या जहां पत्नी का ट्रांसफर हुआ, वहां उसके साथ जाने के लिए पति ने अपनी नौकरी छोड़ दी। इन मिसालों को छोड़कर ज्यादातर केसेज में लड़कियों को ही अपने कैरियर का बलिदान देना पड़ता है। मेरे पास ऐसे कितने ही केस आते हैं, जहां बड़ी पोस्ट पर होने के बावजूद लड़कियों के साथ बदसलूकी होती है। वो अपनी जिम्मेदारियां निभाती रहती हैं और पति का अफेयर कहीं और चल रहा होता है। फिर भी पति, सास-ससुर, यहां तक कि उसके अपने पेरेंट्स, उसे ही महत्वाकांक्षी बताकर कटघरे में खड़ा कर देते हैं।

कब बदलेगी हमारी सोच आज लड़कियां हर क्षेत्र में सफल हो रही हैं। बड़े-बड़े पदों पर हैं लेकिन फिर भी कुछ लोगों की सोच नहीं बदली है। वो लड़कियों को कमतर ही समझते हैं। घर में लड़की पैदा होने पर मातम मनाते हैं। कम लोग हैं, जिनके घर में बेटी के जन्म पर खुशियां मनाई जाती हैं। बेल बजाए जाते हैं। मिठाईयां बांटी जाती हैं। कई घरों में आज भी केवल लड़कियों को ही घरेलू काम सिखाए जाते हैं। उनको बताया जाता है कि वो पढ़ाई न करके रसोई का काम करें। आखिर में वही उनके काम आएगा। कुछ घरों में कई पीढ़ियों तक यही सब चलता रहता है। लड़कियों को अपना टैलेंट दिखाने का मौका तक नहीं दिया जाता। ऐसा समाज की गली सड़ी सोच के कारण ही होता है। केवल ससुराल वाले ही नहीं, लड़की के पेरेंट्स और भाई-बहन भी यही सोचते हैं कि ससुराल में जाकर उसे काम तो करना ही पड़ेगा। ये तो उसकी ड्यूटी है। इसी पुरानी सोच के कारण ही बहुत-सी लड़कियां हार मान लेती हैं। वो पहले पेरेंट्स से और बाद में ससुराल वालों से लड़ते-लड़ते थक जाती हैं। फिर एक दिन ऐसा आता है कि वो खुद को उसी माहौल में ढाल लेती हैं। घर में रहकर सारी जिम्मेदारियां निभाते हुए जिंदगी गुजारती हैं।

इसमें कोई बुरी बात नहीं है लेकिन ऐसा उनकी मर्जी से होना चाहिए। फेमस टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने अपनी मर्जी से टीवी का कैरियर छोड़ा और घर पर रहने लगीं। उन्होंने बिग बॉस का शो भी जीता था। वो घर पर रहकर ही अपने ब्लॉग बनाती हैं। उनको एड भी मिलते हैं। तो ये कह सकते हैं कि वो घर से काम कर रही हैं, अपनी मर्जी से, अपनी खुशी से लेकिन उनको ऐसी कितनी ही कमेंट्स मिलती हैं कि उन्होंने अपना बुरा हाल बना रखा है। उसके पति शोएब को लोग कहते हैं कि इतनी अच्छी और प्रतिभावान एक्ट्रेस को नौकरानी बना दिया है। कितनी बार दीपिका और शोएब को इसका जवाब देना पड़ता है क्योंकि इतने जहरीले कमेंट पढ़कर उनको लगता है कि लोगों को जवाब दिया जाए। दीपिका ने अपने कई इंटरव्यूज में बताया भी है कि वो हमेशा से ही हाउसमेकर बनना चाहती थी। लेकिन वो हाउसमेकर के साथ-साथ बिजनेसवूमैन भी है, जो घर संभालते हुए अच्छा-खासा पैसा कमा रही हैं। बीच-बीच में गाने भी करती हैं। ये उनकी मर्जी है कि वो काम करने का क्या तरीका चुनें। हमारे समाज में इसी तरह का दोगलापन है। इसी सोच के कारण लड़कियों को अपना बहुत कुछ खोना पड़ता है। चाहिए पूरे समाज का साथ लड़कियों को शादी के बाद अपने कैरियर का त्याग न करना पड़े, इसके लिए पूरे समाज को आगे आना होगा। अगर हर घर में लड़के भी घरेलू कामों में बराबर का सहयोग दें तो लड़कियों का जीवन काफी हद तक सुधर सकता है क्योंकि जब लड़के काम करेंगे तो जब वो पति बनेंगे तो घर का काम केवल पत्नी पर नहीं छोड़ेंगे। पत्नी को केवल इसलिए अपने कैरियर के साथ समझौता नहीं करना पड़ेगा कि उसे घर का काम करना है। घर संभालना है। जब घरों में लड़के-लड़की के अंतर को खत्म किया जाएगा तो आने वाली पीढ़ी खुशहाल बनेगी। लड़कों के अंदर मेल ईगो पैदा ही नहीं होगा। लड़कियां अपनी प्रतिभा का पूरा फायदा ले पाएंगी। घर का काम पति-पत्नी दोनों मिलकर करेंगे। पेरेंट्स को अस्पताल लेकर जाने, उनके बाकी काम करने की जिम्मेदारी दोनों की होगी। रिश्तेदारों के साथ निभाने की जिम्मेदारी दोनों की होगी। सोशल सर्कल से डील करने की जिम्मेदारी दोनों की होगी । त्यौहार मनाने के लिए जो तैयारियां करनी पड़ती हैं, उसकी जिम्मेदारी दोनों की होगी।

इससे पत्नी पर काम का अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा और वो अपना काम अच्छे से कर पाएगी। ऑफिस समय पर पहुंचेगी, उसकी परफॉर्मेंस अच्छी होगी। प्रमोशन भी मिलेगा। वो खुश रहेगी तो स्वस्थ रहेगी। उसे तनाव नहीं होगा। उसका मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर का माहौल खुशियों भरा होगा। इससे आने वाली पीढ़ी पर भी सकारात्मक असर होगा। आसपास के लोगों पर भी इसका असर पड़ेगा। आपकी खुशी को देखकर उनको भी लगेगा कि पति पत्नी को मिलकर घर चलाना चाहिए। इसी से समाज में बदलाव आएगा।

मोबाइल शिष्टाचार भी

विजय गर्ग

कल मेरे एक मित्र घर आए। मैं लैपटॉप पर कुछ काम कर रहा था। उनके आते ही मैंने उसे बंद कर उनका अभिवादन किया। दुआ-सलाम भी ठीक से नहीं हुई थी कि उनका फोन घनघना उठा और वह व्यस्त हो गए। बात खत्म होने के बाद भी वह निरपेक्ष भाव से सिर झुकाए मोबाइल पर कुछ खोजने की मुद्रा में रहे। इधर मैं बात के इंतजार में था। जब वह लगातार व्यस्त दिखे तो मैं भी कंप्यूटर को दोबारा होश में ले आया। हालांकि, मुखातिब उनकी ओर ही रहा। थोड़ी देर में वह बोले, अच्छा चला जाये। सोचिए आप किसी के घर जाएं। वह अपने दस काम छोड़ आपकी अगवानी करे, और आपका फोन है कि आपको छोड़ ही नहीं रहा। मान लीजिए इसका उल्टा हो जाए। आप किसी के यहां जाएं और वह अपने फोन पर व्यस्त रहे तो... । घर के अलावा हालत यह है कि कुछ लोग ऑफिस पहुंच कर भी अपने फोन से बाहर नहीं निकल पाते। बहुत जरूरी सूचना की तो बात अलग है, लेकिन बेकार के मीम या क्लिप में समय बिताना कितना ठीक है?

जानकारों, मनोवैज्ञानिकों ने इस लत के लिए कुछ सुझाव दिए हैं। फोन का भी अपना शिष्टाचार होना चाहिए। सबसे पहले तो फोन आने या करने पर अपना स्पष्ट परिचय दें। फोन करते समय सामने वाले का गर्मजोशी और खुशदिली से अभिवादन करें। बात करते समय किसी का भी तेज बोलना या चिल्लाना अच्छा नहीं माना जाता। गलती से गलत नंबर लग जाए तो क्षमा जरूर मांगें। जब भी आपसे कोई आमने-सामने बात कर रहा हो तो मोबाइल पर बेहद जरूरी कॉल को छोड़ न ज्यादा बात करें न ही स्क्रॉल करें। वहीं ड्राइविंग के वक्त, खाने की टेबल पर, बिस्तर या टॉयलेट में तो खासतौर पर मोबाइल न ले जाएं। अपने कार्यस्थल या मीटिंग के दौरान फोन साइलेंट या वाइब्रेशन पर रखें और मैसेज भी न करें। धार्मिक स्थलों, बैठकों, अस्पतालों, सिनेमाघरों, पुस्तकालयों, अन्त्येष्टि इत्यादि पर बेहतर है कि फोन बंद ही रखा जाए।

कइयों की आदत होती है दूसरों के फोन में ताक-झांक करने की जो कतई उचित नहीं है। बिना वजह कोई भी एसएमएस दूसरों को फारवर्ड न करें, जरूरी नहीं कि जो चीज आपको अच्छी लगे वह दूसरों को भी भाए। ध्यान में रखने की बात यह है कि यदि आधुनिक यंत्रों का आविष्कार हमें सुख-सुविधा प्रदान कर रहा है तो हमारा भी फर्ज बनता है कि हमारी सहूलियतें दूसरों की मुसीबत या असुविधा न बन जाएं।

कहानी : मेहनत

हरियाणा के एक छोटे से गाँव में रामू नाम का एक लड़का रहता था। रामू बचपन से ही बहुत होशियार और मेहनती था। उसके माता-पिता किसान थे और खेती-बाड़ी से घर का गुजारा चलता था। हालाँकि उनके पास ज़्यादा जमीन नहीं थी, लेकिन रामू के पिता ईमानदारी और मेहनत से काम करते थे।

रामू को पढ़ाई का बहुत शौक था, लेकिन गाँव में सिर्फ़ एक प्राइमरी स्कूल था। उसके आगे की पढ़ाई के लिए उसे पास के कस्बे में जाना पड़ता। रामू हर रोज़ सुबह जल्दी उठता, खेतों में अपने पिता की मदद करता और फिर दस किलोमीटर दूर कस्बे के स्कूल में पढ़ने जाता।

एक दिन गाँव में एक बड़ा मेला लगा। रामू ने अपने दोस्तों से सुना कि मेले में एक जादूगर आया है जो अजीबो-गरीब करतब दिखाता है। रामू भी मेला देखने गया और वहाँ उसने देखा कि जादूगर ने एक बीज को मिट्टी में डाला और पल भर में वहाँ एक बड़ा पेड़ उग आया। रामू यह देखकर हैरान रह गया।

वह जादूगर के पास गया और पूछा, "बाबा, ये जादू आपने कैसे किया?"

जादूगर मुस्कुराया और बोला, "यह जादू नहीं, मेहनत और धैर्य का फल है। मैंने बस तुम्हें यह समझाने के लिए जल्दी दिखाया, लेकिन असल में बीज को पेड़ बनने में समय और देखभाल लगती है। जैसे तुम अपने सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत कर रहे हो, वैसे ही इस बीज को भी समय और मेहनत चाहिए।"

रामू को जादूगर की बात समझ में आ गई। वह और भी लगन से पढ़ाई करने लगा और कुछ सालों बाद वह अपने गाँव का पहला लड़का था जिसने शहर जाकर बड़ा अफसर बनने का सपना पूरा किया। उसने अपने माता-पिता और गाँव का नाम रोशन किया।

यह कहानी हरियाणा के उस छोटे से गाँव की है, जहाँ से रामू ने अपनी मेहनत और लगन से साबित किया कि सपनों को पूरा करने के लिए जादू की नहीं, बल्कि मेहनत की ज़रूरत होती है।

आस्था, शिष्टाचार और महाकुंभ का

विजय गर्ग

स्मार्ट विश्वविद्यालय ने महाकुंभ विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया था, इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त निबंध इस प्रकार है :-

कुंभ का मतलब घड़ा होता है, घड़े का भारतीय राजनीति, धर्म और दर्शन में गहरा महत्व है।

राजनीति में घड़े का महत्व यह है कि उन नेताओं का आदर्श माना जाता है, जो चिकने घड़े की तरह हों, यानी जिनके ऊपर पानी ठहरता ही न हो।

महाकुंभ का भी गहरा राजनीतिक महत्व है। तमाम तरह के नेता तमाम तरह के बयान रोज देते हैं महाकुंभ पर। महाकुंभ निपट जायेगा, इसके बाद तमाम नेताओं को बेवकूफाना बयान देने के लिए नये विषय तलाशने पड़ेंगे।

महाकुंभ के कारण प्रयागराज के अंदर और प्रयागराज के बाहर लंबे-लंबे जाम लग लिये हैं। इतने लंबे-लंबे जाम कि छोटे नन्हे देशों में भारतीय राजदूत इन छोटे नन्हे देशों के प्रधानमंत्री के सामने तड़ी लगा सकते हैं कि जितना क्षेत्रफल आपके पूरे देश का है, उतने क्षेत्रफल में हमारे महाकुंभ के जाम लगते हैं। या यह गर्वोक्ति भी भारतीय कर सकते हैं कि जितनी पॉपुलेशन सिंगापुर या न्यूजीलैंड की है, उस पॉपुलेशन की सौ गुना पॉपुलेशन तो कुंभ में स्नान कर चुकी है।

कई-कई दिनों तक जाम में फंसकर भारतीय पब्लिक जान बचा सकती है, यह देखकर अमेरिकन सरकार अपने कमांडो लोगों को ट्रेनिंग देने के लिए प्रयागराज भेजने की तैयारी कर सकती है। भारत की पब्लिक इस तरह के हालात में भी बखूबी जीवित रह सकती है, यह बात कई यूरोपीय देशों की पब्लिक को भरोसा दिला देती है कि भारत चमत्कारों की भूमि है।

कुंभ इतिहास भी है, कुंभ दर्शनशास्त्र है, कुंभ राजनीति है। कुंभ का ताल्लुक अंतर्राष्ट्रीय राजनीति से भी है। कई विदेशी राजनयिक भी कुंभ में नहाने जा रहे हैं। कई देशों के राजनयिक यह देखकर परेशान हैं कि उनके मुल्क की पूरी पॉपुलेशन से ज्यादा लोग यहां नहाने क्यों आते हैं। नहाना कई देशों में बहुत गैर-जरूरी बात मानी जाती है। कई यूरोपीय देशों में तो कई-कई दिनों तक न नहाना उतना ही नार्मल है, जितना किसी भी भारतीय नेता का भ्रष्टाचार करना।

कुंभ मार्केटिंग का भी महोत्सव है। कई कंपनियां अपने ब्रांडों को जमाकर कुंभ का पुण्य हासिल करना चाहती हैं। कंपनियों और नेताओं में एक समानता है, जहां भी पब्लिक जुटती है, वहां ये अपना माल बेचना चाहते हैं।

पहले लोग कुंभ नहाने जाते थे, चुपके से नहा-धोकर वापस आकर अपने काम-धंधे में लग जाते थे। अब लोग कुंभ जाते हैं और उसकी फोटू सोशल मीडिया पर डाल देते हैं, और कुछ तो ऐसे हैं कि जो कुंभ में जाये बगैर ही कुंभ स्नान की फोटो डाल देते हैं।

शिक्षण से परे

विजय गर्ग

तनाव समकालीन जीवन का पर्याय बन गया है। की जरूरत है यह स्वीकार करने का समय है तनाव स्थानिक है और यह समझने के लिए कि इसे इस तरह से कैसे संभालना है जो जीवन को जीवंत और पूर्ण रहने की अनुमति देता है। अक्सर एक सुरक्षित और के रूप में खारिज कर दिया आसान काम', समकालीन अध्ययनों से पता चलता है कि जब तनाव और बर्नआउट की बात आती है तो शिक्षण उच्च रैंक करता है। Im के बावजूद इसमें जिम्मेदारी शामिल है, शिक्षण में एक कैरियर ज्यादातर व्यवसायों की तुलना में आर्थिक रूप से कम आकर्षक बना हुआ है। एक शिक्षक बर्नआउट को कैसे रोक सकता है और एनडी अधिक पूर्ण तत्व एन उनके जीवन को रोक सकता है? एक व्यवसाय अपने आप को याद दिलाएं कि आपने शिक्षक बनने के लिए क्यों चुना। शायद आप अपने शिक्षकों से प्रेरित थे या महसूस करते थे कि बच्चों के साथ काम करने से आपको खुशी मिलती है। तनाव के समय इसे याद रखने से मदद मिल सकती है आप उन तत्वों से जुड़े रहते हैं जो शिक्षण को व्यवसाय बनाते हैं न कि केवल 'नौकरी'। शामिल करने के लिए अपनी दिनचर्या की योजना बनाएं नियमित आत्म-देखभाल। पर्याप्त नींद लेना, नियमित रूप से व्यायाम करना (20 मिनट की सैर या योग करना), समय पर भोजन करना, और परिवार और दोस्तों के साथ गुणवत्ता का समय आपके जीवन का एक हिस्सा होना चाहिए। शौक और जुनून की खेती करें जो आपको विघटित करने की अनुमति देते हैं। इसे पढ़ना, क्रोचिंग, कढ़ाई, पेंटिंग, ओरिगामी और पेपरक्राफ्ट, बागवानी, या स्वयंसेवक काम करते हैं, शिक्षण से परे अपनी प्रतिभा का पता लगाते हैं नियमित पुनः ection और माइंडफुलनेस प्रथाओं या कुछ ऐसा करने के लिए समय निकालें जो आपको 'प्रेस पॉज़' करने और अपनी आवश्यकताओं का जायजा लेने की अनुमति देता है। यह एक डायरी लिखने के रूप में सरल हो सकता है, का उपयोग कर YouTube वीडियो नई चीजों को सीखने और अभ्यास करने के लिए, या सुखदायक संगीत सुनने के लिए। हमारे साथियों के साथ अनुभवों, चुनौतियों और सफलताओं को साझा करके एक मजबूत समर्थन प्रणाली का निर्माण करें। आपके सहयोगियों के होने की अनूठी चुनौतियों के साथ सहानुभूति रखने की सबसे अधिक संभावना है एक अध्यापक। वे विभिन्न परियोजनाओं पर व्यावहारिक सलाह, संरक्षक और सहयोग कर सकते हैं। समूह गतिविधियों में भाग लेना साथी शिक्षकों के साथ जुड़ने और बंधन बनाने का एक शानदार तरीका भी है, इसे व्यंजनों, पोटलक, या पोस्ट स्कूल वार्तालाप के माध्यम से साझा करें। के छोटे 'जीत' का जश्न मनाएं अपने शिक्षार्थियों ताकि ध्यान केंद्रित बड़े परिणामों पर (जैसे परीक्षण परिणाम) भारी महसूस नहीं करता है। क्या एक संघर्षशील छात्र ने आज एक नई अवधारणा को समझा? क्या आपने एक शांत छात्र तक पहुंचने का प्रबंधन किया? ये छोटे उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं और अपनी प्रेरणा को ऊंचा रखें। यात्रा करने और नए स्थानों की खोज करने के लिए डाउनटाइम के रूप में अकादमिक ब्रेक का उपयोग करें जो आपको मानसिक और भावनाओं को रिचार्ज करने की अनुमति देते हैं सहयोगी। शिक्षण उचित अवकाश लेने के लिए निर्धारित ब्रेक और ओ ers समय के साथ आता है। इन सबसे ऊपर, शिक्षण एक रचनात्मक पेशा है, इसलिए उन शांत बनाने की प्रक्रिया का आनंद लें वर्कशीट और पाठ योजना। एक मजाक या दो को हर बार क्रैक करें, छात्रों को लचीलापन, ध्यान और अनुशासन के लिए अपनी क्षमता का निर्माण करते हुए जीवन के हल्के पक्ष को देखने में मदद करें। औपचारिक कार्यक्रम तनाव के प्रबंधन के साथ शिक्षकों का समर्थन करना एक ऐसी चीज है जिस पर सभी शैक्षणिक संस्थानों को अपने जीवन में अधिक संतुलन शामिल करने के लिए रास्ते बनाकर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कुछ संस्थानों में अक्सर औपचारिक सलाह कार्यक्रम और सहयोगी समूह होते हैं जो शिक्षकों को नियमित माइंडफुलनेस सत्र, गतिविधियों, शौक क्लबों और वेलनेस सेमिनार आयोजित करने जैसे अधिक सहायक तरीकों से एक-दूसरे से जुड़ने की अनुमति देते हैं। उन संस्थानों में जो औपचारिक रूप से भलाई प्रक्रियाओं में निवेश करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं, सदस्य समूह गतिविधियों के आयोजन में नेतृत्व कर सकते हैं ताकि उन्हें आराम और आराम करने में मदद मिल सके। उस खुशी को कोई नकार नहीं सकता शिक्षक खुश शिक्षार्थियों की ओर ले जाते हैं। शिक्षा सिर्फ शिक्षण से कहीं अधिक है; यह बच्चों की पीढ़ियों को वयस्क बनने में सक्षम बनाने के बारे में है जो अपनी जरूरतों और प्राथमिकताओं को संतुलित कर सकते हैं और अपने आसपास की दुनिया को स्वस्थ और आकार दे सकते हैं खुश तरीके।

मर्ज का फर्ज

विजय गर्ग

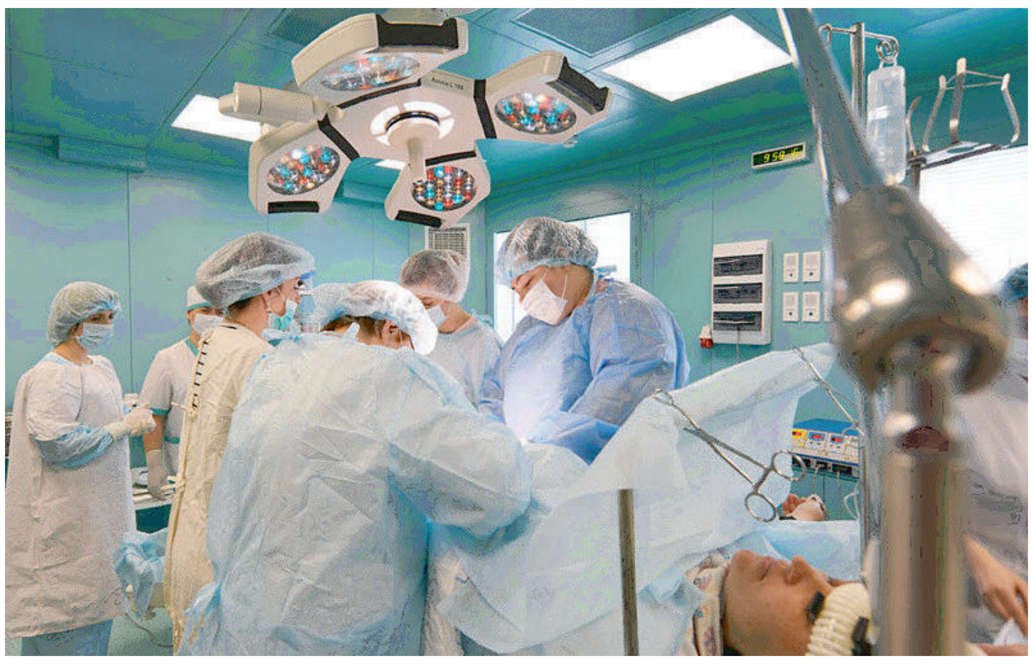

सर्वविदित है कि देश की विशाल आबादी पर चिकित्सकों की उपलब्धता वैश्विक मानकों के अनुरूप नहीं है। यूनेस्को कई बार बता चुका है कि भारत के कई स्थानों पर एक हजार व्यक्तियों पर एक चिकित्सक भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यदि देश के कई मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह जाएं तो इसे देश के लिये विडंबना ही कहा जाएगा। इस ज्वलंत मुद्दे पर देश की शीर्ष अदालत ने संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए कि इस माह के अंत तक देश के सभी मेडिकल कालेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में रिक्त पड़ी सीटों को तुरंत भरा जाए। जाहिर है जब देश में पहले से ही डॉक्टरों के कमी है तो ये सीटें क्यों खराब की जा रही हैं? निश्चित रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में शीर्ष अदालत की यह पहल बदलावकारी साबित हो सकती है। देश में चिकित्सकों की कमी को देखते हुए पिछले दिनों बड़ी संख्या में नये मेडिकल कालेज खोले गए हैं, लेकिन इनमें सीटों की संख्या दुगनी हो जाने के बाद भी डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। वैसे निजी अस्पतालों में तो डॉक्टरों की कमी नहीं है, लेकिन सार्वजनिक अस्पतालों व डिस्पेंसरियों में डॉक्टरों की कमी बराबर बनी रहती है। खासकर ग्रामीण इलाकों में तो स्थिति बहुत खराब है। यही वजह है कि देश के बड़े चिकित्सा संस्थानों मसलन एम्स व पीजीआईएमईआर जैसे संस्थान मरीजों के दबाव से चरमरा रहे हैं। साथ ही चिकित्सक बेहद दबाव में काम कर रहे हैं। यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने इस संकट की गंभीरता को महसूस करते हुए निर्देश दिए हैं कि इस महीने के अंत तक काउंसलिंग करा कर उन सीटों को तुरंत भरा जाए। निश्चित रूप से इस पहल से देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को संबल मिल सकेगा।

निस्संदेह, यह तार्किक है कि चिकित्सा पाठ्यक्रम में दाखिले को लेकर देश में भारी मारामारी है। इसकी वजह यह है कि मेडिकल की पढ़ाई के बाद कमोबेश रोजगार पाना गारंटी जैसी होता है। उनके लिये विदेशों में भो रोजगार के आकर्षक अवसर होते हैं। अन्यथा निजी अस्पताल खोलकर भी वे अपना शानदार करिअर बना सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल हमारे गांवों में चिकित्सा सुविधाओं के नितांत अभाव का होना है। ऐसा नहीं है कि इस चुनौतीपूर्ण स्थिति का सरकार को भान नहीं है। सरकार भी मानती है कि देश के ग्रामीण इलाकों के अस्पतालों अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता तो दूर सामान्य डॉक्टरों की मौजूदगी भी कम ही है। इस संकट का समाधान तभी संभव है जब देश में अधिक मेडिकल कालेज खुलें और उनकी सभी सीटों को भरा जाए। वहीं दूसरी ओर डॉक्टरों को ग्रामीण इलाकों में काम करने के लिये प्रेरित किया जाए। उन्हें वेतन तथा प्रोन्नति के विशेष अवसर दिए जाएं। अनिवार्य रूप से तय किया जाए कि मेडिकल कालेजों से निकलने वाले चिकित्सक कुछ प्रारंभिक वर्षों तक ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दें। इस बात पर मंथन किया जाना चाहिए कि विगत में हुए ऐसे प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ पाए। इसके अलावा दुनिया के अनेक देशों से मेडिकल की पढ़ाई करके आने वाले डॉक्टरों को आवश्यक अर्हताएं पूरी करने पर डॉक्टरी करने की सुविधा प्रदान की जाए। किसी भी लोक कल्याणकारी सरकार का दायित्व बनता है कि गरीबी की रेखा के नीचे रहने वाले तथा कमजोर वर्गों के लोगों को सस्ती चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाएं। ये लोग महंगे निजी अस्पतालों की चौखट तक पहुंचने की क्षमता नहीं रखते। सरकार ने आयुष्मान योजना जैसी कई पहल तो की हैं, लेकिन ध्यान रखना जरूरी है कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में व्यवस्थागत दिक्कतें पैदा न हों। सरकारों का नैतिक दायित्व बनता है कि हाशिये के समाज को सस्ती व सहज रूप से चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता का भी लाभ मिल सके। साथ ही नीति-नियंताओं के लिये यह आत्ममंथन का विषय है कि देश चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में नई खोजों व अनुसंधान में पीछे क्यों रह गया है। साथ ही देश की परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहन भी जरूरी है।

कैसे खुलेगा ई-इंश्योरेंस अकाउंट, क्या हैं इसके फायदे

परिवहन विशेष न्यूज

ई-इंश्योरेंस अकाउंट (EIA) एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जहां सभी बीमा पॉलिसी को एक साथ सुरक्षित रखा जा सकता है। इस बीमा रिपॉजिटरी ऑपरेट करती है जिसे बीमा रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (IRDAI) से मान्यता मिली हुई है। इससे पॉलिसीधारकों को उनकी पॉलिसी से जुड़े दस्तावेजों को फिजिकल रूप में रखने की जरूरत नहीं पड़ती। आइए जानते हैं इसकी पूरी डिटेल।

नई दिल्ली। बीमा पॉलिसी खरीदना तो आसान होता है, लेकिन उनकी फिजिकल कॉपी को संभालना, रिन्युअल डेट याद रखना और क्लेम प्रोसेस को मैनेज करना कई बार मुश्किल हो जाता है। इसी समस्या के समाधान के लिए ई-इंश्योरेंस अकाउंट (E-Insurance Account) की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस डिजिटल अकाउंट के जरिए आप अपनी सभी बीमा पॉलिसी को एक ही जगह पर मैनेज कर सकते हैं।

ई-इंश्योरेंस अकाउंट क्या है?

ई-इंश्योरेंस अकाउंट (EIA) एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जहां सभी बीमा पॉलिसी को एक साथ सुरक्षित रखा जा सकता है। इस बीमा रिपॉजिटरी ऑपरेट करती है, जिसे बीमा रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (IRDAI) से मान्यता मिली हुई है। इससे पॉलिसीधारकों को उनकी पॉलिसी से जुड़े दस्तावेजों को फिजिकल रूप में रखने की जरूरत नहीं पड़ती।

ई-इंश्योरेंस अकाउंट के फायदे (Benefits of E-Insurance Account)

आपको अलग-अलग पॉलिसी डॉक्युमेंट्स संभालने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बीमा अकाउंट नंबर और एड्रेस जैसी जानकारी एक बार अपडेट करने पर सभी पॉलिसी में अपडेट हो जाएगी।

डिजिटल पॉलिसी होने से क्लेम दाखिल करना और ट्रैक करना बेहद आसान हो जाता है।

बीमा पॉलिसी के रिन्युअल के लिए आपको समय पर रिमाइंडर मिलेगा।

पॉलिसी खरीदने और ट्रांसफर करने की पूरी प्रक्रिया डिजिटल हो जाएगी, जिससे पेपरवर्क की झंझट खत्म होगी।

ई-इंश्योरेंस अकाउंट बनाने की प्रक्रिया (Step-by-Step Guide)

बीमा रिपॉजिटरी में रजिस्टर करें (Insurance Repository Registration)

ई-इंश्योरेंस अकाउंट खोलने के लिए आपको किसी अधिकृत बीमा रिपॉजिटरी में रजिस्ट्रेशन करना होगा। आइए भारत में प्रमुख बीमा रिपॉजिटरी के बारे में जान लेते हैं।

इनमें से किसी भी रिपॉजिटरी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

आवेदन प्रक्रिया (Application Process)

आप ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से आवेदन कर सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन के लिए फॉर्म भरकर और केवाईसी (KYC) डॉक्युमेंट्स के साथ बीमा रिपॉजिटरी या बीमा कंपनी में जमा करें। वहीं, ऑनलाइन आवेदन के लिए बीमा रिपॉजिटरी की वेबसाइट पर ई-केवाईसी (E-KYC) के जरिए प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

डॉक्युमेंट्स वेरिफिकेशन (Document Verification)

आपके जमा किए गए दस्तावेजों की जांच की जाएगी। वेरिफिकेशन पूरा होने के बाद आपको लॉगिन आईडी और पासवर्ड मिलेगा। यह आपके पास SMS या Email के जरिए आएगा।

पॉलिसी जोड़ें (Link Your Insurance Policies)

लॉगिन करने के बाद, आपके पास लाइफ इंश्योरेंस, हेल्थ इंश्योरेंस और मोटर इंश्योरेंस जोड़ने का विकल्प होगा। अगर आपके पास पुरानी बीमा पॉलिसी हैं, तो आप उनका कन्वर्जन फॉर्म भरकर उसे स्कैन कर अपलोड कर सकते हैं।

अब सस्ते में पी सकेंगे अमेरिका की बरबन व्हिस्की, सरकार ने इंपोर्ट ड्यूटी 150 से घटाकर 50 प्रतिशत की

परिवहन विशेष न्यूज

अमेरिका की सबसे लोकप्रिय बरबन व्हिस्की अब भारत में सस्ती हो गई है। पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच द्विपक्षीय वार्ता करने से कुछ घंटे बाद भारत ने बरबन व्हिस्की पर आयात शुल्क में 66.6 प्रतिशत की कटौती की है। अमेरिका भारत में बरबन व्हिस्की का सबसे बड़ा निर्यातक है। कुल बरबन व्हिस्की का एक चाथाई हिस्सा अमेरिका से ही आयात किया जाता है।

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत की तैयारी के बीच भारत ने बरबन व्हिस्की पर आयात शुल्क घटाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। पहले यह 150 प्रतिशत था। बरबन व्हिस्की अपनी मिठास के लिए जानी जाती है।

भारत में बार्बन व्हिस्की का सबसे बड़ा निर्यातक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत से ठीक पहले 13 फरवरी को बरबन व्हिस्की पर सीमा शुल्क में कटौती की अधिसूचना जारी की गई थी। हालांकि अन्य शराब के आयात पर सीमा शुल्क में कोई कटौती नहीं की गई है। उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगता रहेगा।

अमेरिका भारत में बरबन व्हिस्की का सबसे बड़ा निर्यातक है। कुल बरबन व्हिस्की का एक चाथाई हिस्सा अमेरिका से ही आयात किया जाता है।

बरबन व्हिस्की के आयात पर अब 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगेगा

राजस्व विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, बरबन व्हिस्की के आयात पर अब 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगेगा। भारत ने 2023-24 में 25 लाख अमेरिकी डॉलर मूल्य की बरबन व्हिस्की का आयात किया।

हार्ले-डेविडसन का भारत में फिर दिख सकता है जलवा

डोनाल्ड ट्रंप के 'जवाबी टैरिफ' पर जोर देने के बीच इस तरह की चर्चाएं हैं कि अमेरिकी बाइक कंपनी हार्ले-डेविडसन का भारत में फिर से जलवा दिख सकता है। इस महीने की शुरुआत में पेश किए गए बजट में आयातित महंगे बाइक पर कस्टम ड्यूटी में कटौती की गई है ताकि उनका आयात सस्ता हो सके।

इस समय भारतीय साझेदार हीरो मोटोकॉर्प के साथ मिलकर केवल एक माडल एक्स-440 बेचने वाली हार्ले डेविडसन ने भारत में 13 माडल बाजार में उतारे थे, लेकिन कंपनी ने 2020 में अपना मैन्यूफैक्चरिंग और सेल्स बंद कर दिया।

ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ से डरने की जरूरत नहीं, भारत पर होगा बेहद मामूली असर

परिवहन विशेष न्यूज

SBI की एक रिपोर्ट के मुताबिक अगर अमेरिका 15-20 फीसदी की उच्च टैरिफ दरें लागू भी करता है तो भी भारतीय निर्यात पर इसका कुल प्रभाव सिर्फ 3-3.5 फीसदी तक सीमित रहेगा। रिपोर्ट का कहना है कि भारत इस प्रभाव को निर्यात विविधीकरण (Export Diversification) मूल्य संवर्धन (Value Addition) और नए व्यापार मार्गों (New Trade Routes) की खोज के संतुलित कर सकता है।

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का एलान किया है, तभी से भारत पर इसके प्रभाव के बारे में लगातार चर्चा हो रही है। इसका असर भारती शेयर बाजार पर भी दिखा। इसमें पिछले कई कारोबारी सत्रों से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है।

हालांकि, भारतीय स्टेट बैंक (State Bank of India- SBI) की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की पारस्परिक टैरिफ नीति (US Tariff Reciprocity) का भारतीय निर्यात (Indian Exports) पर काफी कम प्रभाव पड़ेगा। बेशक व्यापार प्रतिबंधों को लेकर चिंताएं बनी हुई हों।

भारतीय निर्यात पर कम असर क्यों पड़ेगा?

SBI की रिपोर्ट का कहना है कि अगर अमेरिका 15-20 फीसदी की उच्च टैरिफ दरें लागू भी करता है, तो भी भारतीय निर्यात पर इसका कुल प्रभाव सिर्फ 3-3.5 फीसदी तक सीमित रहेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, ₹अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ का भारत के निर्यात पर अधिक असर नहीं पड़ेगा। अमेरिका के 15-20 फीसदी वृद्धि टैरिफ का असर भी सिर्फ 3-3.5 फीसदी रहेगा। इसे बढ़े हुए निर्यात लक्ष्यों (Higher Export Goals) के जरिए आसानी से संतुलित किया जा सकता है।₹

रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस प्रभाव को निर्यात विविधीकरण (Export Diversification), मूल्य संवर्धन (Value Addition) और नए व्यापार मार्गों (New Trade Routes) की खोज के संतुलित कर सकता है।

भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है अमेरिका

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट पार्टनर (Top Export Destination) बना हुआ है। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में कुल जितना निर्यात किया, उसमें अमेरिकी बाजार की हिस्सेदारी 17.7 फीसदी रही थी। हालांकि, भारत अब किसी एक बाजार (Single Market Dependency) पर निर्भरता कम करने की रणनीति बना रहा है। इससे टैरिफ या ट्रेड वॉर जैसी स्थिति में जोखिम को कम किया जा सकेगा।

भारत अब यूरोप (Europe), मध्य पूर्व (Middle East) और अन्य क्षेत्रों के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए सप्लाई चेन नेटवर्क (Supply Chain Networks) विकसित किया जा रहा है, जिससे निर्यात में स्थिरता सुनिश्चित किया जा सकेगा।

भारत और अमेरिका में टैरिफ रेट

SBI की रिपोर्ट बताती है कि पिछले कुछ साल में अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ रेट में ज्यादा बड़ा फेरबदल नहीं किया है। हालांकि, इस दौरान भारत ने अमेरिकी उत्पादों पर ज्यादा टैरिफ बढ़ाया है।

भारतीय उत्पादों पर अमेरिका का टैरिफ रेट:

2018: 2.72%

2021: 3.91%

2022: 3.83% (थोड़ी गिरावट)

अमेरिकी उत्पादों पर भारत का टैरिफ रेट:

2018: 11.59%

2022: 15.30% (तेज वृद्धि)

अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने के पीछे कई कारण है। भारत आक्रामक व्यापार नीति (Assertive Trade Policy) पर चल रहा है, जो व्यापार संतुलन (Trade Balance) बनाने और घरेलू उद्योगों (Domestic Industries) की सुरक्षा पर केंद्रित है।

साथ ही, भारत कच्चे माल (Raw Materials) के निर्यात से आगे बढ़कर प्रोसेस्ड और हाई-वैल्यू प्रोडक्ट्स (High-Value Products) के निर्यात पर फोकस कर रहा है। इस रणनीति से न केवल निर्यात आय (Export Earnings) में वृद्धि होगी, बल्कि यह सुनिश्चित होगा कि भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी (Competitive) बने रहें।

एजेक्स इंजीनीयिरंग आईपीओ की शेयर बाजार में फीकी एंट्री, 8 फीसदी डिस्काउंट के साथ हुई लिस्टिंग

परिवहन विशेष न्यूज

एजेक्स इंजीनीयिरंग का स्टॉक बीएसई (BSE) पर 593 रुपये पर लिस्ट हुआ। यह इश्यू प्राइस से 5.72 फीसदी कम था। यह लिस्टिंग के कुछ समय बाद 565 रुपये तक गिर गया। इसका मतलब कि आईपीओ निवेशकों का घाटा 10.17 फीसदी तक हो गया है। वहीं एनएसई (NSE) पर स्टॉक 576 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुआ जो 8.42 फीसदी की गिरावट को दिखाता है।

नई दिल्ली। कंक्रीट इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर Ajax Engineering Ltd के आईपीओ को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। लेकिन, इसकी शेयर बाजार में एंट्री काफी कमजोर रही है। Ajax Engineering के शेयर 629 रुपये के इश्यू प्राइस की तुलना में 8 फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ लिस्ट हुए।

Ajax Engineering की लिस्टिंग

Ajax Engineering का स्टॉक बीएसई (BSE) पर 593 रुपये पर लिस्ट हुआ। यह इश्यू प्राइस से 5.72 फीसदी कम था। यह लिस्टिंग के कुछ समय बाद 565 रुपये तक गिर गया। इसका मतलब कि आईपीओ निवेशकों का घाटा 10.17 फीसदी तक हो गया है। वहीं, एनएसई (NSE) पर स्टॉक 576 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुआ, जो 8.42 फीसदी की गिरावट को दिखाता है। Ajax Engineering का वैल्यूएशन (Market Valuation) 6,613.29 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, बाद में इसमें तेजी देखी और शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

IPO को मिला था अच्छा रिस्पॉन्स

Ajax Engineering Ltd का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO) पूरी तरह सब्सक्राइब हुआ था। बोली लगाने के अंतिम दिन यह 6.45 गुना सब्सक्राइब हुआ, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी का पता चलता है। IPO का प्राइस बैंड 599-629 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। इस इश्यू का साइज 1,269 करोड़ रुपये था। मजबूत सब्सक्रिप्शन के बावजूद, लिस्टिंग के बाद शेयरों में गिरावट ने निवेशकों को निराश किया।

Ajax Engineering का बिजनेस

Ajax Engineering भारत में कंक्रीट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की दिग्गज कंपनियों में से एक है। यह कंक्रीट एप्लिकेशन वैल्यू चेन में कई तरह के मशीनरी, उपकरण, सेवाएं और समाधान उपलब्ध कराती है। कंपनी के पास कर्नाटक में चार असेंबली और मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। इसमें से हर यूनिट अलग-अलग उत्पाद लाइनों में विशेषज्ञता रखती है।

कंपनी इनोवेटिव कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी पर फोकस कर रही है, जिससे वह भारतीय और वैश्विक बाजार में अपनी स्थिति मजबूत कर रही है।

Ajax Engineering की कमजोर लिस्टिंग की वजह

Ajax Engineering के आईपीओ को निवेशकों की मजबूत प्रतिक्रिया मिली थी। हालांकि, भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का रुख है। पिछले कई कारोबारी सत्रों से सेंसेक्स-निफ्टी में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। इससे बाजार में बिकवाली का ट्रेंड मिल रहा है। यही वजह है कि Ajax Engineering के शेयरों की कमजोर लिस्टिंग हुई है। एजेक्स इंजीनीयिरंग के शेयरों में आगे कैसा प्रदर्शन रहेगा, यह बाजार के सेंटिमेंट और कंपनी की फाइनेंशियल ग्रोथ पर निर्भर करेगा।

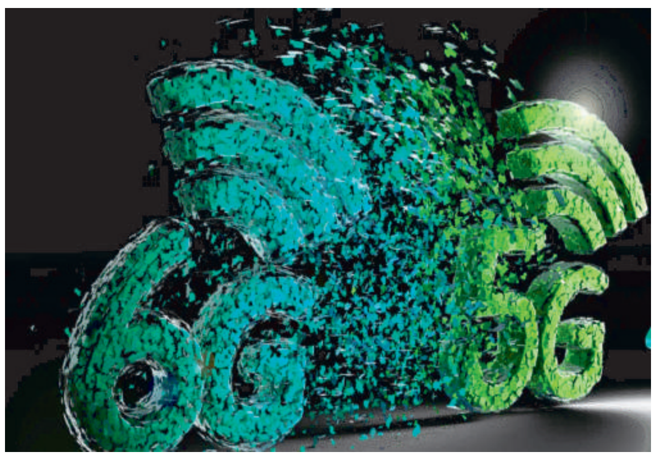

भारत में 6G की तैयारी, मिलेगी 5 गुना तेज इंटरनेट की रफ्तार, बढ़ेगा डिवाइस का बैटरी बैकअप

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारत सक्रिय रूप से 6G की तैयारी कर रहा है। इससे 5G से 100 गुना तेज होने और बैटरी बैकअप में सुधार होने की उम्मीद है। 5G पहले से ही देश के 99 फीसदी हिस्से को कवर कर रहा है।सरकार तेजी से 6G डेवलपमेंट को बढ़ावा दे रही है।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने डिजिटल एडवांसमेंट की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि भारत का लक्ष्य 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का है। DoT द्वारा 2023 में गठित इंडिया 6G एलायंस का लक्ष्य स्टार्टअप्स, कंपनियों और निर्माताओं को एकजुट करके 6G इनोवेशन को बढ़ावा देना है।दावा किया गया है कि 6G 100Mbps तक की स्पीड दे सकता है, जिससे इंटरनेट कनेक्टिविटी काफी बढ़ जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मुताबिक (via Timesbull), भारत 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। ऐसे में देश को डिजिटल रूप से मजबूत और एडवांस होना जरूरी है। केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिलाया कि इस मामले में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह भी बताया गया कि भारत ने रिकॉर्ड 22 महीनों में 5G लॉन्च किया, जो दुनिया में सबसे तेज था। यह वर्तमान में देश के लगभग 99 प्रतिशत क्षेत्र को कवर करता है।

केंद्रीय संचार मंत्री के मुताबिक सरकार 6G तकनीक को बढ़ावा दे रही है।दावा किया जा रहा है कि 6G तकनीक की मदद से यूजर को 100Mbps डेटा स्पीड मिल सकती है। इंटरनेट स्पीड 5 गुना बढ़ जाएगी।करीब 10 साल पहले भारत में इंटरनेट स्पीड 1.5 एमबीपीएस हुआ करती थी।

इसके लिए दूरसंचार विभाग (DoT) पहले ही एक 6G Alliance को गठित कर चुका है। इसका उद्देश्य भारतीय स्टार्टअप, कंपनियों और निर्माताओं को एक साथ लाकर 6G तकनीक के डिजाइन, विकास और तैनाती को बढ़ावा देना है। इसका गठन 2023 में किया गया था। 6G नेटवर्क सैटेलाइट कनेक्टिविटी और AI-ड्रिवन कम्युनिकेशन को एकीकृत करेगा। इससे बैटरी बैकअप में भी सुधार होगा, क्योंकि सेंसर-आधारित नेटवर्क तभी सक्रिय होगा जब डिवाइस उपयोग में होगा।

पिछले साल एक इंटरव्यू में केंद्रिय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि 3G में देश की गति धीमी थी, 4G और 5G में दुनिया के साथ देश चला था और 6G में देश के पास दुनिया में अगुवाई करने की क्षमता है।केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि 1GB डेटा की कॉस्ट जो कभी 287 रुपये होती थी, वह अब घटकर नौ रुपये हो गई है। यह एक बड़ा बदलाव है।हालांकि उसके बाद से टेलीकॉम कंपनियों ने एक के बाद एक टैरिफ में बड़ी बढ़ोतरी भी की है।

अमेरिका के साथ ट्रेड डील से भारत में बढ़ेगा रोजगार, चीन की मुश्किलों में होगा इजाफा

लेदर गारमेंट्स जेम्स व ज्वैलरी इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सेक्टर में अमेरिका में भारत के निर्यात को बढ़ाने की अभी असीम संभावना है। चीन इन सभी सेक्टर में भारत के मुकाबले 7-10 गुना तक अधिक निर्यात करता है। ट्रंप ने चीन की वस्तुओं पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत का शुल्क लगाने की घोषणा की है। ऐसे में ट्रेड डील होने की सूरत में भारत के पास निर्यात बढ़ाने का मौका रहेगा।

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह भारत के साथ 2030 तक व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाना चाहते हैं और दोनों देश इस साल एक मिनी ट्रेड डील भी कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के साथ मिनी ट्रेड डील होने पर भारत के टेक्सटाइल, फुटवियर, इलेक्ट्रॉनिक्स, जेम्स व ज्वैलरी, इंजीनियरिंग गुड्स, फार्मा जैसे रोजगारपरक सेक्टर को बड़ी ताकत मिल सकती है। इससे भारतीय वस्तु निर्यात को मदद मिलने के साथ देश में रोजगार में भी बढ़ोतरी होगी।

जानकारों का कहना है कि अमेरिका सर्विस सेक्टर पर आधारित अर्थव्यवस्था है और वहां के जीडीपी में सर्विस सेक्टर का हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक हो गई है और मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी कम होती जा रही है। ऐसे में गारमेंट, फुटवियर, फार्मा, इंजीनियरिंग गुड्स, जेम्स व ज्वैलरी जैसे आइटम का निर्माण अमेरिका में बड़े पैमाने पर शुरू होने की कोई संभावना नहीं है। इस प्रकार के आइटम के लिए अमेरिका मुख्य रूप से आयात पर निर्भर करता है। इसलिए भारत अमेरिका के साथ मिनी ट्रेड डील में रोजगारपरक सेक्टर पर फोकस करेगा।

चीन की कैसे बढ़ेगी मुश्किल

ट्रंप के पिछले कार्यकाल में जब अमेरिका के साथ मिनी ट्रेड डील को लेकर वार्ता शुरू हुई थी, तब भी भारत का ध्यान इन सेक्टर पर ही था। इसकी एक प्रमुख वजह यह भी है कि लेदर, गारमेंट्स, जेम्स व ज्वैलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सेक्टर में अमेरिका में भारत के निर्यात को बढ़ाने की अभी असीम संभावना है। इन सभी सेक्टर में अमेरिका के बाजार में भारत के मुकाबले चीन 7-10 गुना तक अधिक निर्यात करता है। चीन अमेरिका को सालाना 450 अरब डॉलर का निर्यात करता है, जबकि भारत का सालाना कुल वस्तु निर्यात भी इससे कम है। वर्ष 2024 में अमेरिका में भारत का कुल वस्तु निर्यात 73.77 अरब डॉलर का रहा।

ट्रंप ने राष्ट्रपति का पद संभालते ही चीन की वस्तुओं पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत का शुल्क लगाने की घोषणा कर दी। लेकिन भारत के साथ वह ट्रेड डील की बात कर रहा है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस का मानना है कि टेक्सटाइल, लेदर व अन्य फुटवियर, खिलौने, केमिकल्स व इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सेक्टर में अगले एक साल में भारत अपने निर्यात को 25 अरब डॉलर तक बढ़ा सकता है।

कैसी होगी ट्रेड डील

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इंशिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव का मानना है कि यह ट्रेड डील कोई मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की तरह नहीं होगा। इसलिए सेक्टर को ध्यान में रखते ही भारत को डील आगे बढ़ाना चाहिए। वीकेसी फुटवियर के चेयरमैन नौशाद के मुताबिक गैर लेदर फुटवियर में अमेरिका में निर्यात की बड़ी संभावना है, लेकिन डील का फायदा तभी मिलेगा जब हमें कच्चे माल सस्ते दाम पर मिले और घरेलू फुटवियर निर्माता अपनी क्षमता का विस्तार करे।

अमेरिका के बाजार को ध्यान में रखते हुए ताइवान की फुटवियर कंपनियां भारत में आ रही हैं और पूरी तरह से एक्सपोर्ट यूनिट होने के नाते उन्हें कच्चे माल पर टैक्स नहीं देना पड़ता है। घरेलू फुटवियर उद्योग को भी ऐसी सुविधा मिलनी चाहिए।

अंतर्मन से होता है प्रसन्नता का आविर्भाव (जीवन चिंतन)

प्रसन्नता या खुशी मानव की एक सकारात्मक भावना है। वास्तव में, जब किसी व्यक्ति की किसी प्रकार की इच्छा की पूर्ति हो जाती है तो वह व्यक्ति विशेष बहुत ही खुश होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इच्छाओं के अनुकूल काम होने पर व्यक्ति प्रसन्नता या खुशी का अनुभव करता है। इसके अलावा, किसी अचानक लाभ से लाभांवित होने,किसी जटिल समस्या का समाधान प्राप्त होने, मनमाफिक सफलता प्राप्त करने पर भी व्यक्ति को खुशी का अनुभव होता है ।खुशी एक ऐसी चीज है जिसे हर कोई पाना चाहता है ।सरल शब्दों में कहें तो आम तौर पर, खुशी एक भावनात्मक स्थिति है जो आनंद, संतुष्टि, संतोष और पूर्णता की भावनाओं से जुड़ी होती है ।खुशी आनंद और प्रशंसा की तीव्र भावना ही तो है ।सच तो यह है कि खुशी मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं तथा खुशहाली की कुंजी हैं ।यह भी एक तथ्य है कि खुशी संस्कृति, मूल्यों और जीवन के चरणों के साथ बदलती रहती है ।कुल मिलाकर यह बात कही जा सकती है कि नकारात्मक भावनाओं की तुलना में अधिक सकारात्मक भावनाओं का अनुभव करना ही खुशी है ।खुशी या प्रसन्नता जीवन में उद्देश्य और संतुष्टि की हमारी समग्र भावना को दर्शाती है। कहना चाहूंगा कि प्रसन्नता और खुशहाली की प्रबल भावना से हमारे रिश्ते बेहतर होते हैं, हमारा सामाजिक जुड़ाव बढ़ता है और दूसरों के जीवन में योगदान भी बढ़ता है, साथ ही इसके कारण (खुशी के कारण) स्वस्थ शारीरिक खुशहाली में भी योगदान होता है। वास्तव में, खुशहाली हमारी खुशी और जीवन की संतुष्टि का मूल आधार है। खुशी हमारे भीतर से आती है। यह आंतरिक भावना है ।यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं और क्या करते हैं ।कृतज्ञता का दृष्टिकोण विकसित करके, दूसरों की मदद करके,अच्छी नींद और व्यायाम के साथ सक्रिय बने रहकर और अपने शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखकर तथा अपने समाज,समुदाय से जुड़कर, माइंडफुलनेश का अभ्यास करके हम अपनी खुशियों में इज़ाफ़ा कर सकते हैं। कृतज्ञता तो बहुत बड़ी चीज है। सबसे बड़ा योगदान कृतज्ञता का ही होता है हमारी खुशियां बढ़ाने में। वास्तव में, कृतज्ञता का अभ्यास करने से हमें अपनी वर्तमान स्थिति को स्वीकार करने, स्वयं में (और दूसरों में) अच्छे गुणों की सराहना करने और अधिक खुश महसूस करने में मदद मिलती है। आदमी हमेशा खुशी की उम्मीद में जीवन जीता है। कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में कभी भी दुःखी या अप्रसन्न नहीं होना चाहता है। वास्तव में हम जो कुछ भी अपने जीवन में करते हैं, खुश रहने के लिए ही करते हैं। खुश रहने के लिए आदमी क्या नहीं करता ? वह मेहनत करता है ।अपना सर्वोत्तम करने का प्रयास करता है। और तो और व्यक्ति अपने जीवन में खुश रहने के लिए अलग-अलग कलाओं और हुनर तक को अपनाता है। ऊपर बता चुका हूं कि खुशी आंतरिक होती है। खुशी कभी बाह्य नहीं हो सकती है। यदि खुशी बाह्य है तो उसे हृदय में उपजी खुशी नहीं कहा जा सकता है। बाह्य खुशी तो हमेशा दूसरों को दिखाने मात्र के लिए होती है। यदि हमारी अंतरात्मा खुश है, तो हम वास्तव में खुश हैं। जब हम खुश होते हैं तो हम ईश्वर से ही साक्षात्कार कर रहे होते हैं, क्यों कि खुशी और ईश्वर का ही स्वरूप है ।आज मनुष्य को ज़रूरत इस बात की है कि वह खुशी को प्राप्त करना सीखे, क्यों कि इस ब्रह्मांड में चहुंओर खुशियां ही खुशियां बिखरी पड़ी हैं। वास्तव में खुशी के लिए हमें अंतर्मन, अपनी आत्मा में देखने, उसमें झांकने की जरूरत है। आप यकीन मानिए कि जब हम अपने भीतर झांककर देखते हैं और एक पल के लिए इससे हमें संतुष्टि का एहसास होता है और यह संतुष्टि ही वास्तव में हमें खुशी देती है। वास्तव में खुशी का स्रोत बाहरी नहीं है, आंतरिक है, हमारी अंतरात्मा है,हमारा मन है। सच तो यह है कि हमारी आंतरिक आत्मा आनंद और खुशियों से भरी हुई है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आत्मा का अनुभव करने के लिए, आत्मा के करीब आने के लिए ही हमें योग और ध्यान का अभ्यास करना चाहिए। योग और ध्यान से हमें शांति का अनुभव होता है और शान्ति में ही ईश्वर की असली अनुभूति हो सकती है। आत्मा का परमात्मा से मिलन का एक माध्यम है योग और ध्यान। यदि हमारे अंतर्मन में शान्ति होगी तो हम मानवता का दीप जलाने की ओर अग्रसर होंगे। मानव, मानव के लिए सहृदयता से, शान्ति से काम करेगा तो निश्चित ही हमें आनंद और खुशी की अनुभूति होगी। आज मनुष्य को ज़रूरत इस बात की है कि वह अपनी सोई हुई आत्मा को जगाए। हर मनुष्य के भीतर एक दिव्य ऊर्जा होती है। हमें जरूरत इस बात की है कि हम इस दिव्य ऊर्जा को जगाएं। योग और ध्यान हमें आत्म स्थिति तक ले जाने का काम करता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि योगिक अभ्यास भीतर की ओर मुड़ने का विज्ञान और तकनीक है। सच तो यह है कि मानव कल्याण और मुक्ति के लिए 'अंदर ही एकमात्र रास्ता है।'वास्तव में, योग और ध्यान से हम भौतिकता से परे आत्मसाक्षात्कार की ओर बढ़ते हैं और जब हम स्वयं को जान जाते हैं तो दुनिया को भी जान जाते हैं।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

वह वीर शिवाजी

'हिन्द राष्ट्र का वह वीर प्रहरी
हम सभी को साथ लिए आगे बढ़ा
हम हिन्दूओं के स्वाभिमान को बचाने
वह वीर शिवाजी मुगलों से लड़ा।
कभी नहीं झुकने दिया वह भगवा
जुल्म और हजारों सितमों से हमें बचाया
भारत माता की रक्षा में वीरों का वह शौर्य
वह वीर शिवाजी जय भवानी कहते हम हिन्दूओं के लिए लड़ा।
अपनी संस्कृति व धरोहर को बचाने के लिए
वह अपनी पूरी सेना लेकर आगे बढ़ा
हिंद राष्ट्र का वह वीर हम हिन्दूओं की रक्षा के लिए लड़ा
वह वीर छत्रपति शिवाजी ने हम हिन्दूओं की रक्षा
का संकल्प लिया।
आस्था हमारी सनातन की वह बचाने के लिए
दुराचारी व पापीयों से वह वीर लड़ा
जिसने हिंद स्वराज्य का यशोगान गया
वह वीर शिवाजी महाराज जिसने राष्ट्र भक्ति का
वह दीप जलाया।
आज भी इन्हीं महापुरुषों के तपोबल पर भारत खड़ा हैं
जो विश्व गुरु सत्य सनातन व हिन्दूओं का पुण्य बड़ा है
ऐसे महान वीर स्वाभिमानी हिन्दू हृदय सम्राट को
हम नमन करते हैं
वह वीर शिवाजी जिनके पराक्रम को हम
भारतीयों को नाज़ है।।

हरिहर सिंह चौहान

पित्रोदा जी, देश जानना चाहता है—क्या चीन वाकई मित्र है?

सैम पित्रोदा जी ने बड़े आत्मविश्वास के साथ घोषणा कर दी है—"चीन भारत का शत्रु नहीं है।" अब जब इतनी विलक्षण, प्रबुद्ध, प्रभावशाली और उच्चकोटि की हस्ती ने यह निर्णय सुना दिया, तो हमें अपने अनुभवों और ऐतिहासिक तथ्यों पर प्रश्नचिह्न लगाना ही होगा। गलवान घाटी में जो कुछ भी हुआ, वह निश्चय ही 'मैत्रीपूर्ण संवाद' की एक अनोखी शैली रही होगी, जिसमें सैनिकों ने कूटनीतिक सौहार्द दिखाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। अरुणाचल और लद्दाख में चीनी सेना की घुसपैठ भी संभवतः 'संस्कृति और परंपराओं के आदान-प्रदान' का ही एक अभिनव प्रयास था, जहां मित्रता को नए आयाम देने के लिए टैंक और लड़ाकू विमानों का उपयोग किया गया। और 1962 का युद्ध? अरे, वह तो मात्र दो पड़ोसी राष्ट्रों द्वारा 'सीमाओं की कलात्मक पुनर्कल्पना' का एक प्रयोग था, जिसमें चीन ने भारतीय भूभाग पर अधिकार जमाकर यह प्रदर्शित किया कि पड़ोसी होने का अर्थ क्या होता है! यह सब, शायद हमारे ऐतिहासिक तथ्यों की गलत व्याख्या का परिणाम है, क्योंकि जब एक महान विभूति कह रही है कि चीन शत्रु नहीं है, तो अवश्य ही हमें अपने ज्ञान, समझ और राष्ट्रभक्ति की परिभाषा पर पुनर्विचार करना चाहिए!

दरअसल, पित्रोदा जी जैसे महान चिंतकों की विशिष्टता यही होती है कि वे धरातल की सच्चाई से कोसों दूर रहते हैं और अपनी विचारधारा को राजनीतिक समीकरणों की प्रयोगशाला में गढ़ते हैं। जब सीमा पर हमारे वीर जवान अपने प्राणों की आहुति देकर घुसपैठ रोक रहे होते हैं, तब पित्रोदा जी अपने वातानुकूलित कक्ष में बैठकर 'वैश्विक नागरिकता' की कल्पनाओं में खोए रहते हैं। शायद उनके लिए राष्ट्रभक्ति का मोल अब सिर्फ़ ट्विटर पर 'चीनी स्मार्टफोन' से किए गए दिखावटी पोस्टों में ही सिमटकर रह गया है। मगर असली प्रश्न यह है कि यदि चीन हमारा शत्रु नहीं है, तो फिर शत्रु है कौन? क्या वह किसान, जो अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरता है? या वह छात्र, जो शिक्षा और रोजगार की माँग करता है? अथवा वह आम नागरिक, जो सरकार से प्रश्न पूछने का दुस्साहस करता है? विडंबना देखिए, इन लोगों को तो बिना किसी संकोच के 'राष्ट्रविरोधी' करार दे दिया जाता है, लेकिन चीन के लिए 'सहानुभूति' और 'भाईचारे' का विशेष आरक्षण रखा जाता है! ऐसा प्रतीत होता है कि देशभक्ति की परिभाषाएँ अब सुविधा और स्वार्थ के तराजू पर तौली जाने लगी हैं।

यदि यही तर्क स्वीकार्य है, तो अगला उद्घोषणा शायद यह हो कि पाकिस्तान भी हमारा शत्रु नहीं, बल्कि मात्र एक 'शरारती नटखट पड़ोसी' है, जो कभी-कभी नटखट हरकतें कर बैठता है! संभवतः भविष्य में इतिहास की किताबों में यह भी लिखा जाए कि 26/11 का जघन्य आतंकी हमला 'अतिथि देवो भव' की भारतीय परंपरा के तहत हुआ था, और पुलवामा में हमारे वीर जवानों का बलिदान मात्र 'आपसी सौहार्द' की एक दुर्भाग्यपूर्ण भूल-चूक थी, जिसे अनदेखा कर देना चाहिए। मगर प्रश्न यह है कि यदि चीन और पाकिस्तान हमारे 'सखा' हैं, तो फिर नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ सतत कूटनीतिक तनाव क्यों बना रहता है? क्यों हमारी सद्भावना उन्हीं देशों के लिए आरक्षित है जो हमारी संप्रभुता को चुनौती देते हैं, हमारे भूभाग पर अतिक्रमण करते हैं और हमारे वीर सैनिकों के बलिदान का उपहास उड़ाते हैं? क्या यह 'मैत्री' का नया प्रतिमान है, जिसमें राष्ट्र के सम्मान को तिलांजलि देकर उन ताकतों को मित्र माना जाता है जो भारत की अखंडता पर निरंतर प्रहार करते हैं? यदि हाँ, तो फिर शत्रुता और राष्ट्रहित की परिभाषा पर पुनर्विचार करना ही उचित होगा!

अब एक नया युग प्रारंभ हो चुका है—'शत्रु के प्रति सहानुभूति और नागरिकों के प्रति कठोरता' का। हमारी सेना सीमाओं पर अपने प्राणों की आहुति दे, लेकिन देश के भीतर यदि कोई युवा शासन से प्रश्न पूछने का साहस कर ले, तो वह तुरंत 'देशद्रोही' करार दे दिया जाता है। यह कैसा राष्ट्रवाद है, जो देश के सम्मान और सुरक्षा से नहीं, बल्कि व्यापारिक और राजनीतिक समीकरणों से संचालित होता है? क्या अब देशभक्ति की परिभाषा भी सत्ता की सुविधा अनुसार बदल दी जाएगी? शायद अब विद्यालयों में 'राष्ट्रप्रेम' की शिक्षा को परिवर्तित कर 'राजनीतिक अनुकूलता' के नए पाठ पढ़ाए जाने चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ यह समझ सकें कि असली देशभक्त वह नहीं जो राष्ट्र की रक्षा के लिए बलिदान दे, बल्कि वह है जो सत्ता के रुख के अनुसार अपने विचारों को मोड़ना जानता हो! यह विचारणीय है कि जब भारत अपनी सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु कोई ठोस कदम उठाता है, तब यही तथाकथित बुद्धिजीवी उसे 'युद्धोन्माद' का जामा पहना देते हैं। यदि हमारी सेना सीमा पर सतर्क रहे, तो इसे 'अनावश्यक आक्रामकता' का तमगा दे दिया जाता है, किंतु जब चीन अपने सैन्य विस्तार और सामरिक वर्चस्व को बढ़ाता है, तो उसे 'वैश्विक शक्ति संतुलन' का गौरवशाली नाम दे दिया जाता है। विडंबना यह है कि राष्ट्रभक्ति का यह नया सिद्धांत केवल भारत पर ही लागू होता है, शत्रु देशों पर नहीं।

पित्रोदा जी, क्षमा करें, परंतु देश की जागरूक जनता आपकी इस 'नवाचारपूर्ण परिभाषा' को सहज स्वीकार नहीं कर सकती। उन्हें अपने पुरखों और शहीदों ने यही सिखाया है कि जो हमारी सीमाओं पर अतिक्रमण करे, हमारे वीरों के रक्त से धरती को लाल करे, वही हमारा शत्रु है। परंतु अब प्रतीत होता है कि हमें इस मूल सत्य को छोड़कर 'राजनीतिक सुविधा' और 'राजनयिक स्वार्थ' के तराज़ू पर तोलकर यह निर्धारित करना होगा कि कौन मित्र है और कौन शत्रु! क्या यही राष्ट्रनीति का नवीन संस्करण है? यदि हाँ, तो फिर यह राष्ट्रवाद नहीं, बल्कि अवसरवादिता की पराकाष्ठा है! जब अगली बार युद्ध की लपटें आसमान तक उठें, बंदूकों की गड़गड़ाहट में किसी वीर सपूत की अंतिम चीख दब जाए, या किसी मां की आंखों में तिरंगे में लिपटे बेटे के शव को देख आंसू पत्थर बन जाएं—तो ठहरकर एक बार जरूर सोचिएगा। यह धधकता ज्वालामुखी क्या वास्तव में राष्ट्रभक्ति की वेदी पर जलाया गया पवित्र अग्निकुंड है, या फिर यह सिर्फ वैश्विक व्यापार नीति के मोहरों की बिसात पर बिछी कोई रक्तरंजित चाल? क्योंकि आज देशभक्ति केवल वीरगाथाओं में सिमटकर नहीं रह गई, बल्कि वह सत्ता के गलियारों में लिखी उन नीतियों की मोहताज बन गई है, जो किसी सैनिक की शहादत से अधिक, व्यापारिक हितों और राजनीतिक समीकरणों को साधने में व्यस्त हैं। क्या यह युद्ध वास्तव में मातृभूमि की अस्मिता की रक्षा हेतु लड़ा जा रहा है, या यह महज किसी आर्थिक और कूटनीतिक स्वार्थ का खूनी तांडव है? इसलिए, जब भी कोई रणबांकुरा अपने प्राणों की आहुति दे, जब भी किसी मां की कोख सूनी हो, जब भी किसी बहन की राखी इंतजार में रह जाए—तब केवल शोक और गर्व में मत डूबिए, बल्कि गहरी दृष्टि से देखिए कि यह बलिदान वाकई मातृभूमि की रक्षा के लिए है, या फिर किसी छिपे हुए षड्यंत्र की अनकही पटकथा का एक और अध्याय? क्योंकि आज राष्ट्रभक्ति की कसौटी रणभूमि में बहे रक्त से नहीं, बल्कि सत्ता की चौखट पर लिखे निर्णयों से तय हो रही है।

अब समय आ गया है कि राष्ट्र की जागरूक जनता अपनी दृष्टि को तीव्र करे और भली-भांति समझे कि कौन वास्तव में देशहित में चिंतन कर रहा है और कौन राष्ट्रवाद का मुखौटा ओढ़कर अपने स्वार्थपूर्ण एजेंडे को साधने में जुटा है। इतिहास साक्षी है कि जब तक जनमानस निर्भीक होकर सत्ता से प्रश्न करता रहेगा, तब तक सत्य को कुचला नहीं जा सकेगा और राष्ट्र की अस्मिता पर कोई आंच नहीं आएगी। अब हमें यह निर्णायक फैसला करना होगा—क्या हम अपने स्वाभिमान, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा के लिए अडिग रहेंगे, या फिर 'वैश्विक नागरिकता' के भ्रामक मायाजाल में फंसकर अपने गौरवशाली अस्तित्व को तिलांजलि दे देंगे? और हां, पित्रोदा जी, अगला बयान देने से पहले कृपया यह भी स्पष्ट कर दीजिए कि 'देशद्रोह' की नई परिभाषा क्या होगी—ताकि राष्ट्र के जागरूक नागरिक यह जान सकें कि अब सत्य कहना, निष्पक्ष चिंतन करना और सत्ता से प्रश्न पूछना, इनमें से क्या अगली साजिश के तहत अपराध घोषित किया जाने वाला है!

प्रो. आरके जैन "अरिजीत", बड़वानी (मप्र)

कानपुर के विद्यार्थी मार्केट में जल्द होगा महिलाओं के लिए टॉयलेट की समस्या का समाधान : राजेश भल्ला

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां गोविंद नगर स्थित विद्यार्थी मार्केट महिलाओं के टॉयलेट समेत अनेक समस्याओं से सालों जूझ रहा है। ऐसा नहीं है कि इसके लिए प्रयास नहीं किए गए। किए अवश्य गये लेकिन न केवल संबंधित विभागों बल्कि किसी भी जनप्रतिनिधियों ने भी आज तक पार्किंग सहित निर्माण कराने के रूप में महिलाओं की पिंक टॉयलेट वाली समस्या का भी निराकरण आज तक नहीं किया, जिससे विद्यार्थी मार्केट में बड़ी संख्या में आने वाली महिलाओं को भी बहुत परेशानी होती है। महिला टॉयलेट के साथ ही यहां की दूसरी बड़ी समस्या पार्किंग की भी है। इसका भी निस्तारण आज तक संभव नहीं हो सका है।

फिलहाल इसके लिए हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल का प्रयास लगातार जारी भी है। और इसमें जल्द सफलता भी इसलिए मिल सकती है ,क्योंकि आजकल जुझारू संरक्षक के रूप में हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल की कमान हर किसी के सुख दुख में सदैव खड़े होने वाले परोपकारी स्वभाव के तेजतर्रार और व्यवहार कुशल व्यापारी नेता और चर्चित वरिष्ठ समाजसेवी राजेश कुमार भल्ला के हाथ में है।

विद्यार्थी मार्केट के दुकानदार व्यापारियों की समस्याओं के खिलाफ शुरू से ही अनवरत संघर्ष में जुटे रहने वाले हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल के संरक्षक के साथ ही गोविंद नगर के चार ब्लॉक स्थित श्री हनुमान मंदिर के अध्यक्ष, अखंड हिंद फौज में कानपुर मंडल के अध्यक्ष, श्री राम श्याम मित्र मंडल के उपाध्यक्ष, नवयुवक दशहरा कमेटी और स्वर्ग आश्रम सेवा समिति गोविंद नगर के उप चेयरमैन तथा बेहद सहयोगी स्वभाव के व्यापारी नेता समाजसेवी राजेश कुमार भल्ला के मुताबिक अध्यक्ष सचिन दुआ और महामंत्री विपुल शाहा आदि पदाधिकारियों के साथ हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल अपना संघर्ष तब तक जारी रखेगा जब तक महिला पिंक टॉयलेट और पार्किंग समेत ग्राहकों, व्यापारियों और दुकानदारों की हर समस्या का पूर्ण रूप से निस्तारण नहीं हो जाएगा।

अवगत कराते चलें कि कानपुर के प्रसिद्ध बाजारों में से एक विद्यार्थी मार्केट घरेलू समेत ग्राहकों की जरूरत का हर सामान उपलब्ध कराने वाला दक्षिण का प्रमुख बाजार है। यहां लगभग 400 से अधिक हर तरह की दुकानें हैं। इस विद्यार्थी मार्केट में शॉपिंग का अच्छा सामान चूड़ी, कपड़े, चप्पल, मिट्टी का सामान, बर्तन, घर का सामान, मसाले और जड़ी-बूटियां तक मिल जाती हैं।

सौंदर्य प्रसाधन से लेकर कपड़ों साड़ियों समेत हर तरह का सामान मिलने से इस विद्यार्थी मार्केट में बड़ी संख्या में महिलाएं भी खरीदारी के लिए आती हैं, लेकिन उनके लिए यहां पिंक टॉयलेट की व्यवस्था नहीं है ,जिससे उन्हें भारी कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है। पार्किंग समेत महिलाओं की पिंक टॉयलेट वाली इस समस्या के निराकरण के लिए संरक्षक राजेश कुमार भल्ला की अगुवाई में हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मंडल का प्रयास लगातार जारी भी है, लेकिन इसमें सफलता का झंडा कब लहराएगा। यह आने वाला वक्त ही बताएगा।

नेताजी बस टर्मिनल बंद, यात्री दहशत में

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

कटक/भूबनेश्वर : नेताजी बस टर्मिनल पर जाम जारी है। परिणामस्वरूप यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रखरखाव सेवा कर्मचारियों ने आज से हड़ताल शुरू कर दी है। परिणामस्वरूप, सेवा पूरी तरह से बंद हो गई है ।जानकारी के अनुसार, बस टर्मिनल पर प्रवेश व निकास जांच, टिकट बुकिंग, प्रवेश व निकास पर वाहन नियंत्रण, शौचालयों की सफाई, भोजन केंद्र की देखभाल के काम में करीब 150 कर्मचारी लगे हुए हैं ।हालांकि, संबंधित कंपनी के कर्मचारियों ने आज विरोध प्रदर्शन किया है और आरोप लगाया है कि उन्हें वेतन, भविष्य निधि, ईएसआई और ग्रेच्युटी का भुगतान नियमित रूप से नहीं किया जा रहा है।

झारखंड की शिक्षा में कदाचार का अनोखा इंतजाम स्कूलों से कालेज तक !

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

सरायकेला। यह बिहार से बना झारखंड है जनाब , परीक्षा में कदाचार कैसे की जाती समुचे झारखंड में इसका भूत ,वर्तमान एवं भविष्य का बड़ा इतिहास अटा पड़ा है ।यहां किराये के टट्टू खूब मिलते हैं अगर ऐसा नहीं होता तो सरायकेला का एक विधालय जो कभी एक बेगुनाह पत्रकार द्वारा परीक्षा में कदाचार की रिपोर्ट छपने पर स्वयं प्राचार्य एवं उसके समुह बचने के लिए थाने में जाकर एक 500/- रूपये झूठी रंगदारी मामला पत्रकार के विरूद्ध दर्ज करता है ।उसपर सरायकेला बार के 99.99% वकील एक होकर पत्रकार के पक्ष में वकालत नामे पर हस्ताक्षर करते , जिसे देख न्यायपालिका भी किंकर्तव्यविमूढ़ हो उठता ।यहीं पुलिस को भी मौका मिल जाता है कारण उसके सानिध्य प्राप्त किये वगैर यह खेल भला केसे चल सकता जहां फिर वही अनुसंधान कर्ता हो, न्याय पालिका तो यहां केवल विचारक !

सरायकेला की यह कहानी बीस वर्ष पुरानी भले ही हो पर उसकी जड़ें आज कितनी गहरी है चतरा में घटी घटना से आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता ।दुसरी तरफ आज सरायकेला के उसी विधालय पुनः सुर्खियों में है, कारण एक आरोपी डी ईएस सी हजारीबाग को प्रौन्नति देकर डीईओ बनाये जाने के बाद सरायकेला खरसावां जिले के उक्त विधालय भेजा गया है ।जहां की महिला प्राचार्या को वे गत सप्ताह ऐसी धमकी दे डालते कि बेचारी होस हवास खो देती है , तब पानी सिंचित कर होस में उन्हे लाई जाती है ।अब उसकी वेतन रोक दी गयी है उस आरोपी डी ई ओ का करतूत देख कार्य पालिका , व्यवस्थापिका चुप हो पर प्रेस कैसे चुप रहेगा जिस पर सर्वाधिक भरोसा आज भी जनता को है । यहां मामला वैसे अधिकारियों द्वारा शैक्षणिक जगत पर अपना सिक्का चलाना माना जा रहा है जिनकी नीवें बिहार सरकार के समय में खोदी गई थी ।

आज चतरा में ठीक उसी तरह का एक कांड सामने आया है , एक परीक्षार्थी (विद्यार्थी) का परीक्षा भी कोई और दे रहा था जबकि वास्तविक परीक्षार्थी पवित्र कुंभ स्नान हेतु संगम में डुबकी लगाने पहुंचा हुआ था ।फर्क इतना है विधालय स्तर से मामला अब महाविद्यालय तक का पहुंच चुका है ।

झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक बोर्ड) द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट की परीक्षा में परीक्षार्थी के स्थान पर दूसरा युवक परीक्षा देदे। मामला तब सार्वजनिक हुआ जब केंद्र में इस बात की चर्चे के कारण खुलासा हुआ . यह मामला राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय केंद्र का है. पकड़ा गया युवक प्रिंस कुमार हजारीबाग के केरेडारी थाना क्षेत्र के जोको गांव का रहनेवाला है. वह चतरा के टंडवा स्थित वनांचल इंटर कॉलेज के परीक्षार्थी रोहित कुमार साव के स्थान पर शनिवार को परीक्षा दे रहा था. वीक्षकों द्वारा जांच में वह पकड़ा गया.प्रधानाचार्य सह केन्द्राधीक्षक नीरज कुमार ने जानकारी दी है कि इंटरमीडिएट परीक्षा में जांच के दौरान एक फर्जी परीक्षार्थी पकड़ा गया है. प्रिंस कुमार को टंडवा पुलिस को सौंपते हुए कदाचार के आरोप में मामला दर्ज कराया है.

जानकारी के अनुसार, परीक्षार्थी रोहित कुमार साव महाकुंभ में स्नान करने के लिए प्रयागराज गया हुआ है. उसके स्थान पर प्रिंस कुमार इंटरमीडिएट की परीक्षा दे रहा था. थाना प्रभारी उमेश राम ने बताया कि केंद्राधीक्षक के आवेदन के आधार पर परीक्षा में कदाचार का मामला दर्ज कर गिरफ्तार प्रिंस को जेल भेज दिया गया. झारखंड में इन दिनों जैक बोर्ड की मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा आयोजित की जा रही है. इस दौरान इंटरमीडिएट की परीक्षा में कदाचार का मामला सामने आया है. इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी फर्जी परीक्षार्थी को गिरफ्तार कर लिया गया है और जेल भेज दिया गया. मामला यहीं खत्म नहीं होता जब कभी कोई परीक्षार्थी अनैतिक कार्य करता उसका साथ दिलाने वाला रैकेट भी सक्रिय होता आया है। यह आज या कल का विषय नहीं नहीं 90 के दशक में जब शैक्षणिक माहौल तत्कालीन बिहार में अपना अस्तित्व खोया तो हालात चिंताजनक हो गयी थीं । कुशाग्र बुद्धि -विद्या युक्त विद्यार्थियों को खतरा पैदा हो गया था ।कारण तत्कालीन शिक्षक समुदाय का राजनिति करण इसका मुल मकसद रहा । फिर क्या था शिक्षा का स्तर में इतनी गिरावट आई कि सरकारी स्कूलों के जगह प्रायवेट स्कूलों को मौका खुलने, फलने- फूलने का मिला ।सरकारी स्कूलों के तनख्वाह बढ़ौतरी दुसरे राज्यों के वनिस्पत लगभग दुगुनी कर दी गयी तथा राजनीतिक किर्तिमान स्थापित करने में नेता पीछे नहीं हटे शिक्षक वोट के लिए । मां सरस्वती के मंदिर में अब शिक्षा अधिकारियों को सरकारी दामाद कहा जाय तो कोई अतिशयोक्ति अलंकार का प्रयोग नहीं होगा कारण इनके लिए विभाग चलता नेता सरकार भी चलती !

19 फरवरी - शबरी जयंती पर विशेष

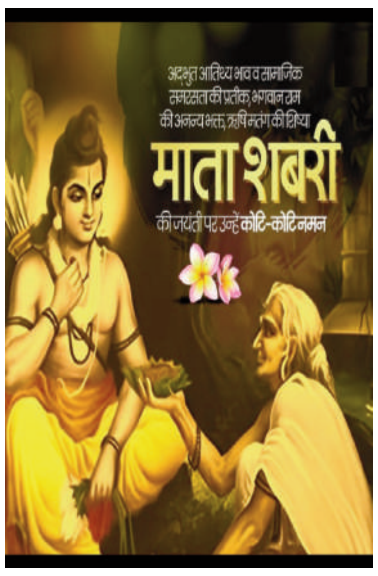

माता शबरी तपस्या कर हुई व्यक्त...!

आदिवासी समाज की आराध्य माता भक्त,
शिरोमणि माँ शबरी तपस्या कर हुई व्यक्त।
भीलनी परम तपस्विनी का एक ही ध्येय,
अछूत कहते ऋषि-मुनि दूरी रखते जाय।
ऋषि मतंग ये कह गए आएंगे प्रभु श्रीराम,
तुम्हें संसार से मुक्त कर लगाएंगे विराम।

आदिवासी समाज की आराध्य माता भक्त,
शिरोमणि माँ शबरी तपस्या कर हुई व्यक्त।
सामाजिक समरसता की प्रतीक हुई प्रतीत,
तपस्या हुई फलित कुटिया में मन ललित।
भगवान की भक्ति में सदा ही रहती लीन,
प्रतिक्षा करती थी जिसकी आने वाला दिन।

आदिवासी समाज की आराध्य माता भक्त,
शिरोमणि माँ शबरी तपस्या कर हुई व्यक्त।
मर्यादा पुरुषोत्तम को हुआ जब वनवास,
वन में भटक-भटक भये हुआ था संत्रास।
शबरी की कुटिया में हुआ सुखद अहसास,
जूठे बेर का मीठा स्वाद भी हुआ है खास।
शबरी माता की जयंती रामायण आभास।

संजय एम तराणेकर

सीनियर सिटीजंस के लिए बड़ी खुशखबरी ! सरकार ने दी 4 नई सौगातें

भारत में सीनियर सिटीजंस के लिए सरकार समय-समय पर नई योजनाएं और सुविधाएं लेकर आती है, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा सके और उन्हें एक सुरक्षित भविष्य प्रदान किया जा सके। हाल ही में यूनियन बजट 2025 और अन्य सरकारी घोषणाओं में सीनियर सिटीजंस के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य बुजुर्गों को वित्तीय सुरक्षा और आरामदायक जीवन प्रदान करना है।

इस लेख में, हम चार प्रमुख खुशखबरियों और योजनाओं पर चर्चा करेंगे, जो सीनियर सिटीजंस के लिए बेहद फायदेमंद हैं।

1. सीनियर सिटीजंस सेविंग्स स्कीम

सीनियर सिटीजंस सेविंग्स स्कीम (SCSS) भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक लोकप्रिय योजना है, जो बुजुर्गों को नियमित आय और टैक्स लाभ प्रदान करती है। यह योजना उन लोगों के लिए आदर्श है जो रिटायरमेंट के बाद सुरक्षित निवेश विकल्प की तलाश में हैं।

पैरामीटर	विवरण
आयु पात्रता	60 वर्ष या उससे अधिक
न्यूनतम निवेश राशि	₹1,000
अधिकतम निवेश राशि	₹30 लाख
ब्याज दर (2025)	8.2% प्रति वर्ष
कार्यकाल	5 साल (3 साल का विस्तार)
टैक्स लाभ	धारा 80C के तहत उपलब्ध
परिपक्वता से पहले बंद	उपलब्ध

SCSS की विशेषताएं

उच्च ब्याज दरः SCSS की ब्याज दर सामान्य बचत खातों से अधिक होती है।

सुरक्षित निवेशः यह योजना सरकार द्वारा समर्थित है, इसलिए इसमें जोखिम नहीं होता।

नियमित आयः ब्याज हर तिमाही में सीधे बैंक खाते में जमा होता है।

टैक्स लाभः निवेशकों को टैक्स छूट का लाभ मिलता है।

2. नई टैक्स स्लैब्स 2025 बजट में सीनियर सिटीजंस के लिए टैक्स स्लैब्स को संशोधित किया गया है। अब वरिष्ठ नागरिकों को अधिक टैक्स छूट मिलेगी, जिससे उनकी बचत बढ़ेगी।

नई टैक्स स्लैब्स, आय सीमा (₹) टैक्स दर (%)

0 – 4 लाख	:- शून्य
4 – 8 लाख :-	5%
8 – 12 लाख	:- 10%
12 – 16 लाख :-	15%
16 – 20 लाख :-	20%
20 – 24 लाख	:- 25%
24 लाख से अधिक :-	30%

पुरानी टैक्स स्लैब्स

आय सीमा (₹)	टैक्स दर (%)
0 – 3 लाख	:- शून्य
3 – 5 लाख	:- 5%
5 -10 लाख	:- 20%
₹10 लाख+	:- 30%

3. पेंशन योजनाएं सरकार ने बुजुर्गों के लिए कई पेंशन योजनाएं शुरू की हैं, जो उनके रिटायरमेंट के बाद वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करती हैं।

प्रमुख पेंशन योजनाएं

प्रधानमंत्री वय वंदना योजना (PMVVY): यह योजना LIC द्वारा संचालित है। इसमें न्यूनतम पेंशन ₹1,000 प्रति माह और अधिकतम ₹10,000 प्रति माह मिलती है।

कार्यकालः 10 साल।

अटल पेंशन योजना (APY): यह योजना असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए है। पेंशन राशि ₹1,000 से ₹5,000 प्रति माह तक हो सकती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजनाः बीपीएल परिवारों के बुजुर्गों को ₹600 प्रति माह की सहायता दी जाती है।

4. सरल आईटीआर फाइलिंग प्रक्रिया सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया को सरल बना दिया है। अब जिनकी आय केवल पेंशन और बचत खाते के ब्याज से होती है, उन्हें आईटीआर फाइल करने की आवश्यकता नहीं होगी।

मुख्य बिंदु यह सुविधा केवल उन वरिष्ठ नागरिकों को दी गई है जिनकी आय ₹75 वर्ष या उससे अधिक आयु में पेंशन और ब्याज तक सीमित है। बैंक सीधे टीडीएस काटकर टैक्स का निपटान करेंगे।

अन्य महत्वपूर्ण योजनाएं

1. वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य बीमा योजनाः- कम प्रीमियम पर स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध।

2. वरिष्ठ नागरिक कार्डः- सरकारी सेवाओं और यात्रा में रियायतें मिलती हैं।

निष्कर्ष सीनियर सिटीजंस के लिए यह योजनाएं न केवल वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती हैं बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाती हैं। चाहे वह SCSS हो, नई टैक्स स्लैब्स हों या पेंशन योजनाएं, ये सभी बुजुर्गों के जीवन को आसान बनाने में मदद करती हैं।

Disclaimer: उपरोक्त जानकारी सरकारी घोषणाओं और योजनाओं पर आधारित है। कृपया निवेश करने से पहले संबंधित विभाग से पुष्टि करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023